नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 पर आधारित

सक्षम

हिंदी पाठमाला

2

© All rights reserved. No part of this publication may be reproduced, stored in a retrieval system, or transmitted, in any form or by any means, without the prior permission of Publisher.

सक्षम हिंदी पाठमाला – 2

ISBN :-

Author :
Nisha Madan

Designed by :
EDIT ONE INTERNATIONAL
New Delhi

Printed by :
Mec-Doit Printers
Sahibabad, Ghaziabad (NCR)

आमुख

विचारों को अभिव्यक्त करने का सबसे सरल एवं स्पष्ट माध्यम भाषा है। भाषा में सम्मिलित कौशलों की सहायता से विचारों का आदान-प्रदान संभव हो पाता है। विद्यार्थियों के प्रभावपूर्ण व्यक्तित्व के विकास में शैक्षिक प्रणाली का अहम योगदान होता है। इस प्रणाली में रचनात्मकता, वैज्ञानिक दृष्टिकोण, मानवीय मूल्यों तथा जीवन कौशल का समावेश होना आवश्यक है।

प्रस्तुत पुस्तक में भाषा के चारों कौशल—श्रवण, वाचन, पठन, लेखन के साथ-साथ गतिविधि आधारित शिक्षण पर बल दिया गया है। पुस्तक में चिंतन-मनन (Thinking), विश्लेषण (Analysis), कल्पनाशीलता (Imagination), रचनात्मकता (Creativity), मूल्यांकन (Evaluation) को भी समाहित किया गया है। इसमें निर्धारित मानक वर्तनी का प्रयोग किया गया है। यह पुस्तक विद्यार्थियों की भाषा में सूक्ष्म समझ को विकसित करने में सक्षम है। इस पुस्तक में पाठ नियोजन करते समय विद्यार्थियों की रुचियों, जिज्ञासाओं एवं खोजबीन प्रवृति का विशेष ध्यान रखा गया है। प्रस्तुत पुस्तक की पाठ्य-सामग्री बच्चों के स्तरानुकूल, सरल, सहज एवं रोचक रूप में प्रस्तुत की गई है।

इस पुस्तक में नई शिक्षा नीति (NEP) 2020 को ध्यान में रखकर सभी मूल्यों को तार्किक रूप से अपनाया गया है। रचनात्मक लेखन के अंतर्गत—कविता, कहानी, चित्र-कथा, संवाद, यात्रा-वर्णन एवं पत्र-लेखन आदि को शामिल किया गया है ताकि भाषा प्रयोग पर विद्यार्थियों की पकड़ मज़बूत बन सके, साथ ही विद्यार्थी व्याकरण का कुशलतापूर्वक प्रयोग कर पाएँ।

इस श्रृंखला में विद्यार्थियों को ऐसा मंच देने का प्रयास किया गया है, जहाँ वे आत्मविश्वास के साथ-साथ सोच-समझकर प्रश्नों का उत्तर दे सकें, साथ ही संवाद या चर्चा के द्वारा अपने सहपाठियों का भी दृष्टिकोण समझ पाएँ।

हमें यह विश्वास है कि यह पुस्तक छात्रों के सर्वांगीण विकास में सहायक सिद्ध होगी।

—प्रकाशक

अनुक्रमणिका

क्र.सं.	अध्याय	पृ. सं.
	स्कूल चलें हम (गतिविधि)	5
	आओ दिपावली मनाएँ (चित्र पठन)	6
	बंदर और टिड्डे (चित्रकथा)	14
1.	विनती (कविता)	12
2.	गुड़िया की शादी (कहानी)	19
3.	होली (निबंध)	27
4.	भोर हो गई आलस छोड़ो (कविता)	37
5.	हमारा राष्ट्रीय ध्वज (संवाद)	44
6.	दादाजी की सीख (कहानी)	53
7.	रंग बिरंगी धरती (कविता)	60
8.	शरारती खरगोश (कहानी)	68
9.	मेहनत का फल (कहानी)	77
	अभ्यास प्रश्न पत्र–1	85
	अभ्यास प्रश्न पत्र–2	87

स्कूल चलें हम
(गतिविधि)

शिक्षण संकेत

शिक्षक/शिक्षिका कक्षा में बच्चों को ध्यानपूर्वक चित्र देखने के लिए कहें और उनसे चित्र से संबंधित कुछ प्रश्न पूछें।

आओ दिपावली मनाएँ
(चित्र पठन)

शिक्षण संकेत

शिक्षक/शिक्षिका कक्षा में बच्चों को चित्रों के माध्यम से दिपावली के त्योहार के संबंध में बताएँ तथा पटाखे न जलाने की सलाह दें तथा पटाखों से होने वाले नुकसान को भी समझाएँ। दिपावली से संबंधित कुछ प्रश्नों को भी शिक्षक/शिक्षिका छात्रों से पूछें।

बंदर और टिड्डे (चित्रकथा)

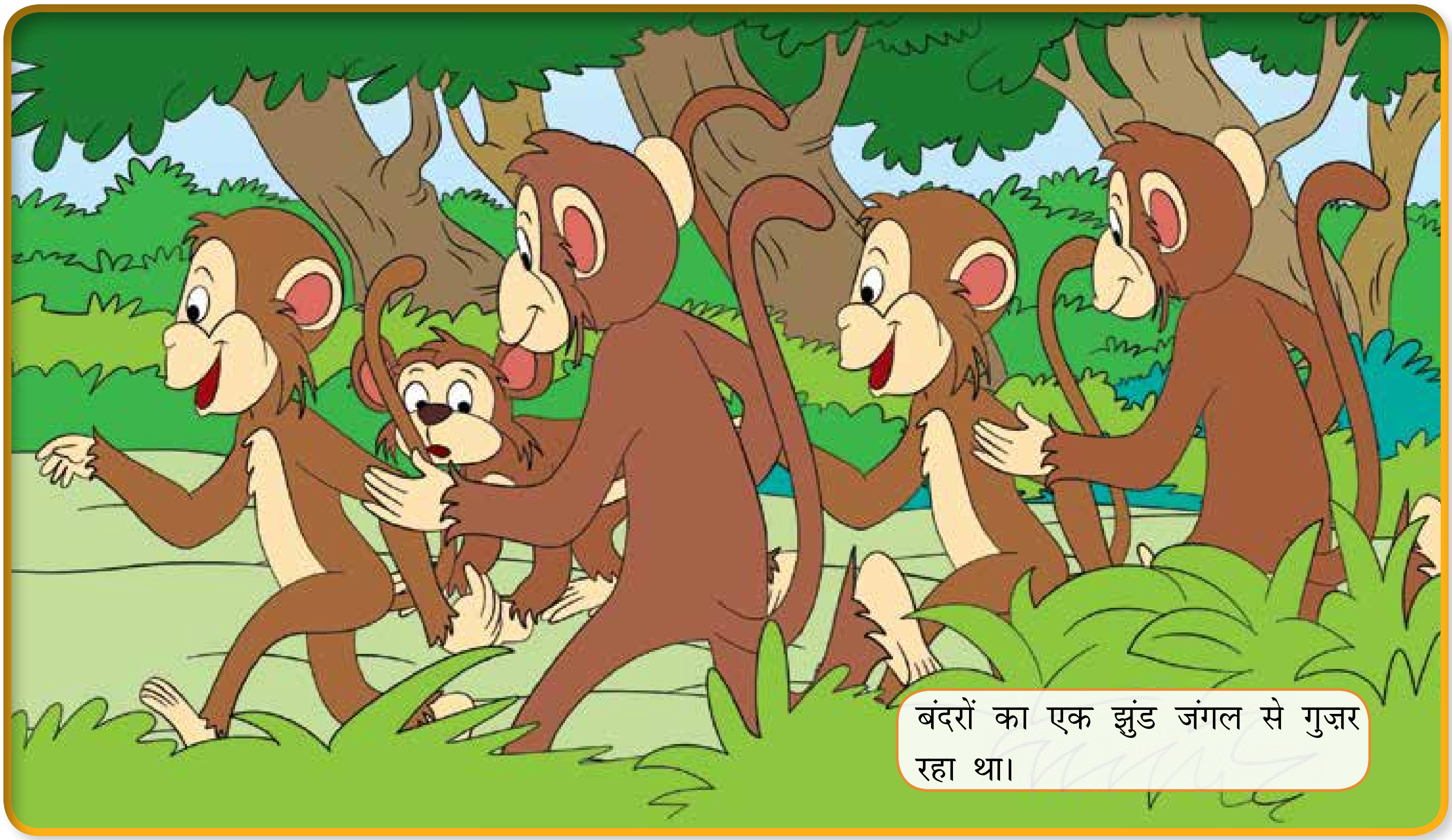

काफी सोचने के बाद......
अभी शाम हो गई है, कल सुबह हम टिड्डों की पहाड़ी पर जाएँगे और लड़ाई लड़ेंगे।
हाँ-हाँ यह ठीक रहेगा।
दूसरे दिन सभी बंदर टिड्डों की पहाड़ी पर गए और टिड्डों को पुकारने लगे-
दुष्ट टिड्डो, तुमने हमारे भाई को मार दिया है। अब आकर हमसे युद्ध करो। हम बदला लेकर रहेंगे।
हम बदला लेकर रहेंगे।
टिड्डे हैरान हो गए।
नहीं बंदर भाईयो, हम तुम्हारे भाई को क्यों मारेंगे? हम लोग इतने छोटे हैं, आप जैसे ताकतवर को कैसे मार सकते हैं? आप लोगों को कुछ गलत-फ़हमी हुई है।
गलत-फ़हमी और हम लोगों को! बंदर कुछ भी मानने को तैयार नहीं थे।
हम कुछ नहीं जानते। तुमने ही उसे मारा है और अब तुम लोगों को उसकी मौत की कीमत चुकानी ही पड़ेगी।

टिड्डों का नेता जानता था कि बंदर नासमझ हैं। इनको समझाना असंभव है। कुछ सोचकर बोला-
ठीक है। अभी अँधेरा है और सर्दी भी बहुत है। सूरज उगने के बाद क्या हम लोग आपस में लड़ाई कर सकते हैं?
ठीक है।
बंदर मान गए और सूरज उगने की प्रतीक्षा करने लगे।
थोड़ी देर में सूरज उग गया। सूरज की गर्म किरणों से टिड्डे गर्म हो गए। फिर टिड्डों और बंदरों की लड़ाई शुरू हो गई।
टिड्डे उछल-उछल कर बंदरों के सिर पर बैठ जाते। टिड्डे को किसी बंदर के सिर पर बैठा देख दूसरे बंदर अपने हाथ की मोटी लकड़ी से उसे मारते। टिड्डा तो उड़ जाता पर बंदर का सिर फूट जाता।
अरे बाप रे, मर गया।
इस तरह बंदर एक-दूसरे का सिर फोड़ने लगे। जिस बंदर का सिर फूटता वह और गुस्से में आकर दूसरे बंदर के सिर पर बैठे टिड्डे पर पूरी ताकत से हमला करता टिड्डा उड़ जाता और फिर बंदर का ही सिर फूटता।
अबकी बार नहीं छोड़ूँगा।

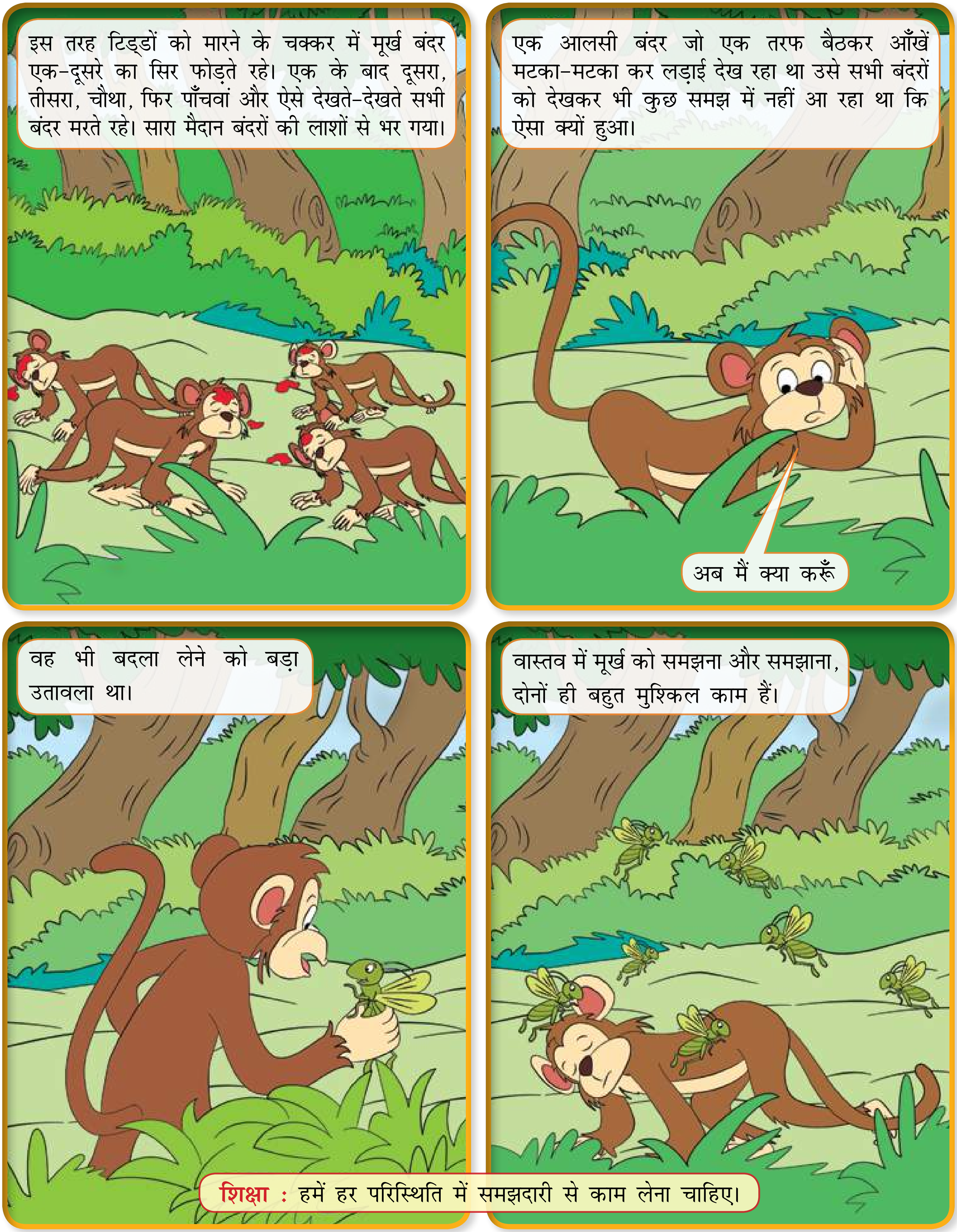
इस तरह टिड्डों को मारने के चक्कर में मूर्ख बंदर एक-दूसरे का सिर फोड़ते रहे। एक के बाद दूसरा, तीसरा, चौथा, फिर पाँचवां और ऐसे देखते-देखते सभी बंदर मरते रहे। सारा मैदान बंदरों की लाशों से भर गया।
एक आलसी बंदर जो एक तरफ बैठकर आँखें मटका-मटका कर लड़ाई देख रहा था उसे सभी बंदरों को देखकर भी कुछ समझ में नहीं आ रहा था कि ऐसा क्यों हुआ।
अब मैं क्या करूँ
वह भी बदला लेने को बड़ा उतावला था।
वास्तव में मूर्ख को समझना और समझाना, दोनों ही बहुत मुश्किल काम हैं।
शिक्षा : हमें हर परिस्थिति में समझदारी से काम लेना चाहिए।

अध्याय 1

विनती (कविता)

अध्ययन से पूर्व

कविता का मूल तत्व

प्रस्तुत कविता के माध्यम से बच्चों के मन की बात को बताने का प्रयास किया गया है जिसमें बच्चे सदैव ज्ञान पाकर देश का नाम रौशन करने की बात कर रहे हैं, साथ ही प्रत्येक दिन को एक नए दिन की तरह जीने की बात कर रहे हैं।

विनती करते हैं भगवान,
कर जोड़ हम करें प्रमाण।

दे दो हमको यह वरदान,
सदा बढ़ाएँ जग में ज्ञान।

नन्हें मन की नन्हीं बात,
ज्ञान बढ़े तो बनेगी बात।

ईश्वर हमें दो नन्हा दीप,
जोड़ बनाएँ हम ज्ञानदीप।

हर एक नन्हा बाल और बाला
जग में करता रहे उजाला।

बड़ों का करें सदा सम्मान,
ऊँचा करें देश का नाम

सदा कुसुम से हम मुस्काएँ,
महक सभी को देते जाएँ।

कदम से कदम जब मिल जाएँ,
मन के भेद सभी मिट जाएँ।
ईश्वर दो हमें यह वरदान,
बीते हर पल नव दिन समान।

शब्दार्थ

वरदान	=	इच्छित फल की प्राप्ति	बाल	=	बालक, लड़का
बाला	=	लड़की, बालिका	जग	=	संसार, विश्व
उजाला	=	प्रकाश	कुसुम	=	फूल पुष्प
नवदिन	=	नया दिन	भेद	=	अंतर

उच्चारण करें

वरदान कदम नवदिन ज्ञानदीप मुस्काएँ

श्रुतलेख

Åpk b'oj dle dne ojnku

शिक्षण संकेत

शिक्षक/शिक्षिका बच्चों को कविता का मूलभाव समझाएँ तथा पाठ में आए कठिन शब्दों का अर्थ भी बताएँ।

अभ्यास कार्य

ज़रा बोलिए

Speaking Skills

1. दिए गए प्रश्नों के उत्तर बताइए।

(क) बच्चे किससे विनती कर रहे हैं?

(ख) बच्चे वरदान के रूप में क्या माँग रहे हैं?

(ग) कविता में नन्हा दीप को जोड़कर क्या बनाने की बात हो रही है?

(घ) 'कुसुम' का क्या अर्थ होता है?

ज़रा लिखिए

Writing Skills

2. दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए-

(क) बच्चे कविता में किसके सम्मान करने की बात कर रहे हैं?

....

(ख) कविता में उजाला करने की बात कौन कर रहा है?

....

(ग) बच्चे किसका नाम ऊँचा करने की बात कर रहे हैं?

....

(घ) बच्चे कुसुम की तरह मुस्कुराकर क्या करना चाहते हैं?

....

3. पाठ के आधार पर उचित शब्दों के साथ रिक्त स्थानों को भरिए।

देश कुसुम ज्ञान जग ज्ञानदीप

(क) .... में करता रहे उजाला।

(ख) जोड़ बनाएँ हम ....।

(ग) सदा .... से हम मुस्काएँ।

(घ) सदा बढ़ाएँ जग में ....।

(ङ) ऊँचा करें .... का नाम।

4. प्रस्तुत पंक्तियों का भावार्थ लिखिए।

कदम से कदम जब मिल जाएँ, मन के भेद सभी मिट जाएँ।
ईश्वर दो हमें यह वरदान, बीते हर पल नवदिन समान।

ज़रा सोचिए

Critical Thinking

5. प्रस्तुत कविता में यदि बच्चे की जगह आप होते तो ईश्वर से क्या वरदान माँगते? सोचकर बताइए।

ज़रा भाषा पर गौर कीजिए

Language Skills

6. समान शब्दों का उचित मिलान कीजिए-

(क) ईश्वर	(i) उजाला
(ख) संसार	(ii) लड़की
(ग) कुसुम	(iii) भगवान
(घ) बाला	(iv) जग
(ङ) प्रकाश	(v) फूल

7. स्वरों की सहायता से शब्द बनाइए।

(क) ऋ -	(ख) ए - ....
(ग) औ -	(घ) आ - ....
(ङ) ई -	(च) ऊ - ....

8. नीचे दिए गए शब्दों में से बिना मात्रा वाले शब्दों पर ○ लगाइए।

(क) बरतन (ख) शीशम (ग) साल

(घ) घोड़ा (ङ) काला (च) जामुन

(छ) रथ (ज) गमन (झ) मटक

ज़रा रचनात्मक कार्य कीजिए

Creative Skills

9. आप किस-किस भगवान की प्रार्थना करते हैं? कक्षा में अपने दोस्तों के साथ चर्चा कीजिए।

10. आप किन-किन लोगों का सम्मान करते हैं और क्यों? दो-तीन वाक्य में लिखकर समझाइए।

....

....

....

ज़रा दिमाग लगाइए

Brain Storming Activity

11. नीचे दी गई शब्द पहेली में से पाठ में आए सही शब्द चुनिए।

भ	ग	वा	न	छ	ज	ग
र	क	ई	च	म	न	स
क	ग	श	ष	ह	य	र
प्र	ल	व	र	दा	न	म
णा	बा	र	ल	ज	घ	ड़
म	ला	क	व	ग	दी	प

ज़रा रंग भरिए

Art Integrated Activity

12. नीचे दिए गए चित्र को देखकर अधूरे चित्र को पूरा कीजिए और उसमें रंग भरिए।

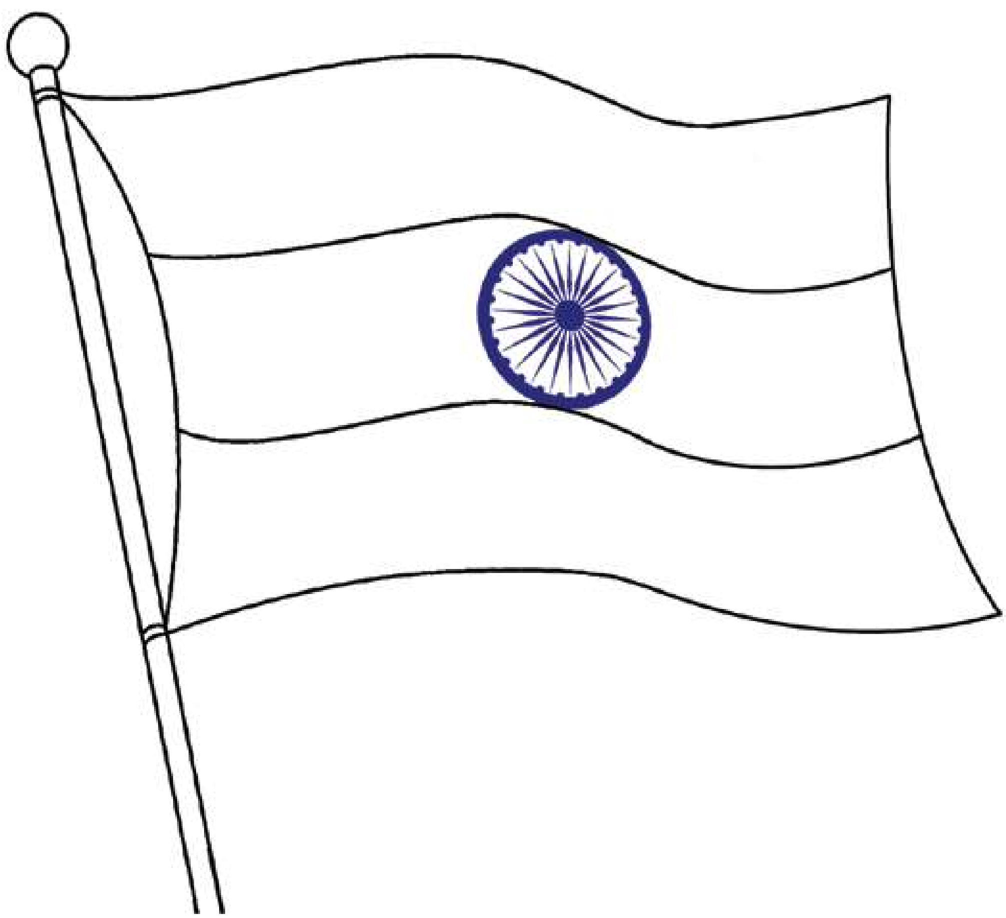

अध्याय 2

गुड़िया की शादी
(कहानी)

अध्ययन से पूर्व

कहानी का मूल तत्व

प्रस्तुत कहानी में ग्रामीण पृष्ठभूमि के एक खेल को बड़े ही नाटकीय रूप में दिखाया गया है। यह खेल ग्रामीण परिवेश में कहीं-कहीं अब भी देखने को मिल जाता है।

रीता के पास एक गुड़िया है। उसका नाम है–मुन्नी।

हर्ष का एक गुड्डा है। उसका नाम है– राजा। आज हर्ष और रीता के गुड्डे–गुड़िया की शादी है।

रीता के घर में शादी की तैयारियाँ चल रही हैं। गुड़िया को लाल लहँगा पहनाया जा रहा है। उसके सिर पर गोटे वाला लाल दुपट्टा है। रीता की सहेली रीतू गुड़िया के गले में मोतियों की माला पहना रही है। शादी में शामिल होने के लिए रीता की अन्य सहेलियाँ– राधा, गौरी, लता और कविता भी आई हैं।

हर्ष का गुड्डा भी नए–नए कपड़ों में सज रहा है। उसने सुनहरी अचकन पहनी है। उसके सिर पर जयपुरी साफ़ा पहनाया जा रहा है। साफे पर सफेद बालों वाली कलगी लगी है।

गुड्डे की बारात में शामिल होने के लिए गौरव, रोहित,

मोनू और पवन आए हैं। अब बैंड बजने लगा।

लो, बारात गुड़िया दुल्हन के घर जा पहुँची।

देखो, दुल्हन अपने दूल्हे के गले में फूलों का हार पहना रही है। दूल्हे ने भी दुल्हन को हार पहना दिया। जयमाला की रस्म पूरी हुई। सभी ने फूल बरसाकर अपनी शुभकामनाएँ दीं।

अब विवाह में हवन और फेरे लेने की बारी आई। रामू पंडित मंत्र पढ़ने लगा। थोड़ी ही देर में विवाह की रस्में पूरी हो गईं।

अब दावत का समय हो रहा है।

चलो, देखें खाने में क्या–क्या चीजें बनी हैं?

तरह–तरह की मिठाइयाँ सजी हैं– गुलाब जामुन, रसमलाई, जलेबी और गाजर का हलवा।

काजू, किशमिश, पिस्ते वाली आइसक्रीम भी है। कुल्फी भी खाने को मिलेगी। मटर–पनीर व कोफ्ते की सब्जी भी बनी है। थोड़ी दूर गोल–गप्पे और चाट–पकौड़ी भी खाने को मिलेगी।

लो, सभी मेहमान खाना खाने लगे हैं। दावत खत्म हुई।

विदाई का समय आ गया। गुड्डे–गुड़िया की विदाई हो रही है।

सभी को इस शादी में खूब आनंद आया।

शब्दार्थ

शादी	= विवाह	बैंड	= बाजा
रस्म	= रीति, प्रथा	आनंद	= मजा

उच्चारण करें

गुड़िया   शादी   तैयारियाँ   कपड़ों

श्रुतलेख

gyok   ckjkr   idkMh   xMM   dYQh

शिक्षण संकेत

शिक्षक/शिक्षिका बच्चों को पाठ के आधार पर कुछ अन्य मनोरंजक खेल के बारे में बताएँ और उन्हें उससे संबंधित जानकारी प्रदान करें।

अभ्यास कार्य

ज़रा बोलिए

Speaking Skills

1. दिए गए प्रश्नों के उत्तर बताइए।

(क) पाठ में गुड़िया किसके पास थी?

(ख) शादी की तैयारियाँ किसके घर में चल रही थीं?

(ग) रीतू किसके गले में मोतियों की माला डाल रही थी?

(घ) सुनहरी अचकन किसने पहनी है?

ज़रा लिखिए

Writing Skills

2. दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

(क) रीता की सहेलियों के नाम लिखिए।

....

(ख) गुड़िया को क्या-क्या पहनाया गया?

....

(ग) गुड्डे की बारात में शामिल होने के लिए कौन-कौन आया था?

....

(घ) शादी में कौन-कौन सी मिठाईयाँ उपलब्ध थीं?

....

3. नीचे दिए गए वाक्यों को पढ़कर (✓) ठीक और (✗) गलत का निशान लगाइए।

(क) हर्ष के गुड्डे का नाम राजा है। ☐

(ख) साफ़े पर सुनहरे बालों वाली कलगी लगी है। ☐

(ग) रीता की सहेली कविता ने गुड्डे को साफा पहनाया। ☐

(घ) खाने में आइसक्रीम का प्रबंध नहीं था। ☐

ज़रा सोचिए

Critical Thinking

4. आप किसी शादी में जाते हैं तो वहाँ पर क्या-क्या देखते है? सोचकर बताइए।

ज़रा भाषा पर गौर कीजिए

Language Skills

5. चार वर्णों के मेल से बनने वाले चार अमात्रिक शब्दों को लिखिए।

(क) कसरत (ख) ....

(ग) .... (घ) ....

6. नीचे दिए गए वर्ण समूहों में से स्वर और व्यंजन को अलग-अलग छाँटकर लिखिए।

स्वर	व्यंजन
....	....
....	....
....	....
....	....
....	....

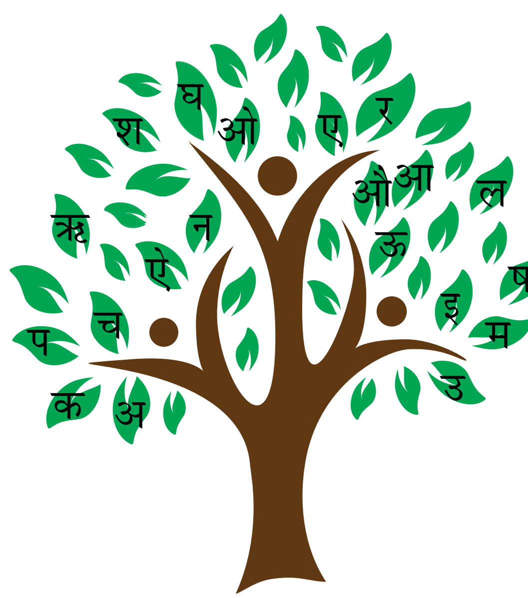

ज़रा रचनात्मक कार्य कीजिए

Creative Skills

7. प्रस्तुत पाठ 'गुड़िया की शादी' में कौन-कौन शामिल हुए? उनके नामों की चर्चा करें।

8. गुड़िया की शादी में सभी ने किस प्रकार से आनंद लिया? पाँच वाक्य लिखिए-

....

....

....

....

....

ज़रा दिमाग लगाइए

Brain Storming Activity

9. नीचे कुछ चित्र दिए गए है उनका सही मिलान कीजिए।

(क) खाद्य सामग्री

(ख) आतिशबाजी

(ग) शेरवानी

(घ) वरमाला

(ङ) लाल लहंगा

ज़रा रंग भरिए

Art Integrated Activity

10. नीचे दिए गए चित्र को देखिए। उन्हें पूर्ण कर उनमें रंग भरिए।

अध्याय 3

होली
(निबंध)

अध्ययन से पूर्व

निबंध का मूल तत्व

होली का त्योहार हमें ईर्ष्या द्वेष आदि बुराइयों को दूर कर आपसी प्रेम, भाईचारा, सद्भाव और समानता के साथ मिलकर रहना सिखाता है।

होली रंगों का त्योहार है। फाल्गुन मास की पूर्णिमा तिथि को होलिका दहन के अगले दिन होली का पर्व मनाया जाता है। यह सभी को प्रेम-उमंग से सराबोर होकर थिरकने को मजबूर कर देता है।

होली के संबंध में एक कथा प्रसिद्ध है। प्राचीन काल में हिरण्यकश्यप नाम का एक अत्याचारी राजा था। वह ईश्वर को नहीं मानता था। उसका एक पुत्र था। जिसका नाम प्रह्लाद था। प्रह्लाद अभी बालक ही था। वह ईश्वर का सच्चा भक्त था। पिता को उसकी भक्ति पंसद नहीं थी। उसने प्रह्लाद को ऐसा करने से मना किया पर प्रह्लाद पर इसका कोई असर न हुआ। उसका भक्ति भाव बढ़ता ही गया। पिता ने उसे पहाड़ से नीचे गिराया, सागर की लहरों में फेंका पर वह भगवान की कृपा से हमेशा बच गया।

आखिर में उसने अपने भक्त पुत्र को मारने के लिए एक और योजना बनाई। हिरण्यकश्यप की बहन होलिका को वरदान के रूप में एक दुपट्टा मिला

था जिसे ओढ़कर जब वह अग्नि में प्रविष्ट होगी तो आग उसे जला नहीं पाएगी। अतः उसने अपने भाई की आज्ञा से प्रह्लाद को आग में जला कर मारने की योजना बनाई। वह अपना दुपट्टा ओढ़कर प्रह्लाद को गोद में लेकर आग में प्रविष्ट हो गई लेकिन भगवान विष्णु की कृपा से दुपट्टा होलिका के ऊपर से उड़कर प्रह्लाद के ऊपर आ गया, जिससे होलिका जल गई और बुराई का अंत हुआ।

इस अवसर पर लोगों ने खूब खुशियाँ मनाईं। आज भी गाँव में होली की रात एक लकड़ी के चारों तरफ कपड़े लपेट उसके आस-पास उपले, लकड़ियाँ

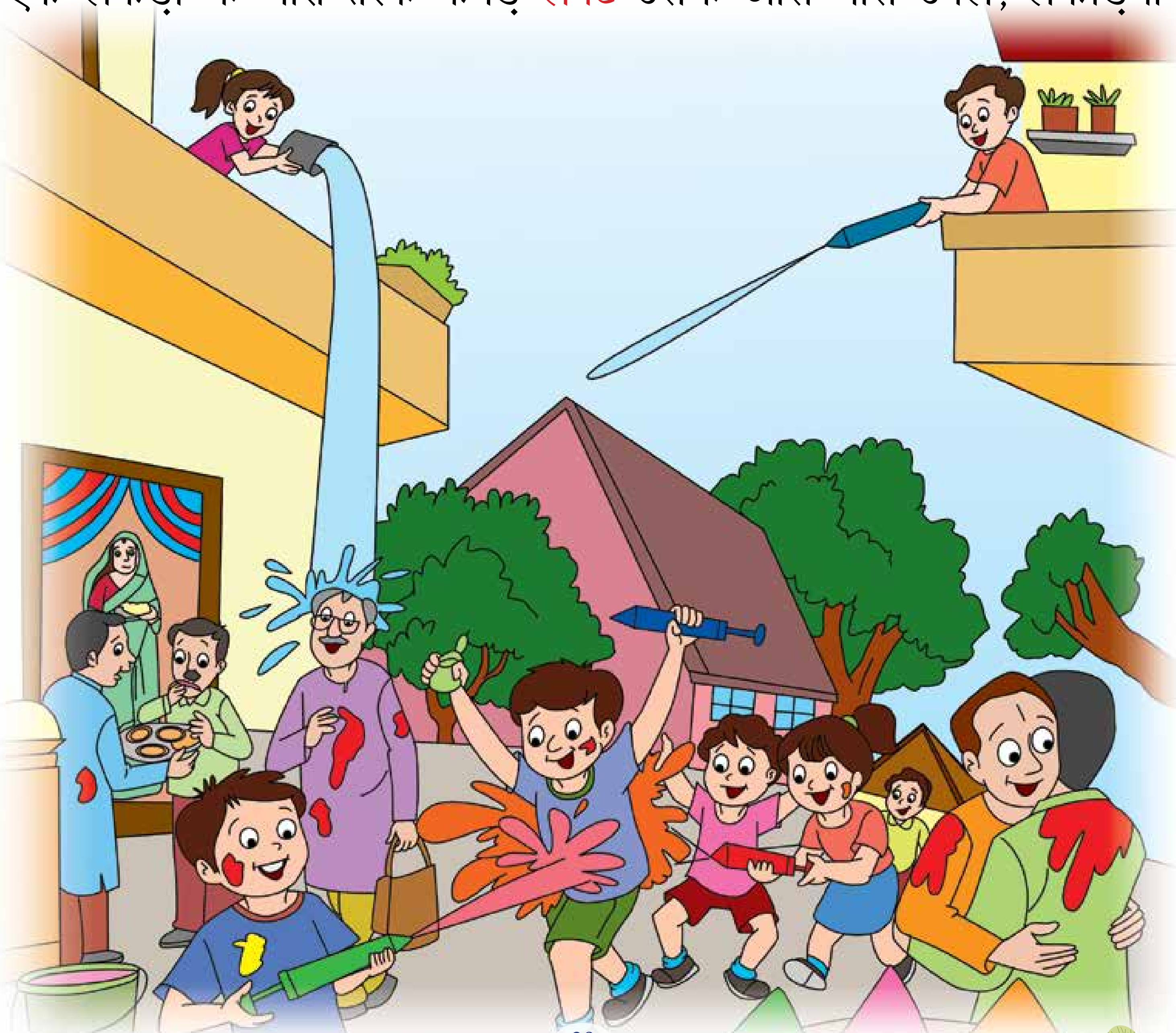

रखकर अग्नि प्रज्जवलित की जाती है।

इस त्योहार में सब लोग एक दूसरे पर रंग डालते हैं और गुलाल लगाते हैं। बच्चे पिचकारियों में रंग भरकर एक–दूसरे पर डालते हैं।

इस दिन ऊँच–नीच, छोटे–बड़े का भेद मिट जाता है। सब लोग एक दूसरे के गले मिलकर बैर–भाव भूल जाते हैं। यह त्योहार दोपहर तक चलता है। इसके बाद लोग नहा धोकर अपने मित्रों के घर जाकर मिठाइयाँ खाते और खिलाते हैं।

शब्दार्थ

उमंग	=	खुशी	अत्याचारी	=	दूसरों को सताने वाला
अवसर	=	मौका	प्रज्जवलित	=	जलाना
लपेट	=	बाँधकर	बैर–भाव	=	आपसी मनमुटाव
भक्त	=	भगवान की पूजा करने वाला			
भक्ति भाव	=	भगवान के प्रति असीम श्रद्धा से युक्त			

उच्चारण करें

सराबोर प्रह्लाद प्रज्जवलित हिरण्यकश्यप प्रविष्ट

श्रुतलेख

lPpk QkYxu niVVk [kf'k;k vk<dj

शिक्षण संकेत

शिक्षक/शिक्षिका बच्चों को होली के त्योहार के संबंध में विस्तारपूर्वक बताएँ साथ ही होली के प्रारम्भ होने के पीछे की कहानी को उसके मूलभाव के साथ समझाएँ।

अभ्यास कार्य

ज़रा बोलिए

Speaking Skills

1. दिए गए प्रश्नों के उत्तर बताइए।

(क) होली का त्योहार किस महीने में मनाया जाता है?

(ख) प्रह्लाद के पिता का नाम क्या था?

(ग) हिरण्यकश्यप की बहन कौन थी?

ज़रा लिखिए

Writing Skills

2. दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

(क) हिरण्यकश्यप प्रह्लाद को क्यों मारना चाहता था?

....

(ख) होली के दिन कौन-सा भेद मिट जाता है?

....

(ग) हिरण्यकश्यप ने अपनी बहन के साथ मिलकर कौन-सी योजना बनाई?

....

(घ) होली का त्योहार कब मनाया जाता है?

....

3. सही शब्दों के साथ रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए।

(क) होली के दिन लोग .... डालते हैं।

(i) लड़ाइयाँ करते हैं (ii) बाहर घूमने जाते हैं

(iii) एक-दूसरे पर रंग (iv) इनमें से कोई नहीं

(ख) प्रह्लाद .... भक्ति करता था।

(i) होलिका की (ii) ईश्वर की

(iii) असुरों की (iv) हिरण्यकश्यप की

(ग) प्रह्लाद आग में .... नहीं जल पाया।

(i) आग कम होने के कारण

(ii) वरदान मिला होने के कारण

(iii) होलिका का दुपट्टा उसके ऊपर होने के कारण

(iv) इनमें से कोई नहीं

4. नीचे दिए गए वाक्यों को ध्यानपूर्वक पढ़कर (✓) ठीक और (✗) गलत का निशान लगाइए।

(क) होली का त्योहार सभी को प्रेम उमंग से सराबोर कर देता है। ☐

(ख) होली का त्योहार चैत्र माह के पूर्णिमा के दिन मनाया जाता है। ☐

(ग) प्रह्लाद भगवान शिव का भक्त था। ☐

(घ) प्रह्लाद अग्नि में जलकर मर गया। ☐

(ङ) होली के दिन एक-दूसरे को रंग लगाते हैं। ☐

ज़रा सोचिए

Critical Thinking

5. होली के संबंध में जो प्रचलित कथा आपकी पाठ्य-पुस्तक में दी गई है, आप उससे क्या सीखते हैं? सोच समझकर बताइए।

ज़रा भाषा पर गौर कीजिए

Language Skills

6. नीचे दिए गए शब्दों में सही स्थान पर अनुस्वार (ं) और अनुनासिक (ँ) का चिन्ह लगाकर पुनः लिखिए।

(क) अश - .... (ख) माताए - ....

(ग) मसूबा - .... (घ) पहुच - ....

(ङ) फदा - .... (च) मथन - ....

7. नीचे दिए गए शब्दों के पर्यायवाची शब्द लिखिए।

(क) त्योहार - .... (ख) भगवान - ....

(ग) पुत्र - .... (घ) सागर - ....

(ङ) दुपट्टा - .... (च) आग - ....

8. नीचे दिए गए शब्द-समूहों में से शुद्ध शब्द पर ○ लगाइए।

(क) खुशियाँ खुशिया खुशीयाँ

(ख) प्रज्जवलित	प्रजजवलित	प्रजज्वलित
(ग) दुपट्टा	दुपटा	दुप्ट्टा
(घ) फाल्गुन	फागुन	फालगुन

9. नीचे दिए गए शब्दों से एक-एक वाक्य बनाइए।

(क) भक्त – ....

(ख) वरदान – ....

(ग) बुराई – ....

(घ) कथा – ....

(ङ) आज्ञा – ....

ज़रा रचनात्मक कार्य कीजिए

Creative Skills

10. आप होली का त्योहार किस तरह से मनाने की योजना बना रहे हैं? अपने दोस्तों के साथ चर्चा कीजिए।

11. आप होली के अलावा और कौन-कौन से त्योहार मनाते हैं? पाँच वाक्यों में बताइए।

....

....

....

....

....

....

ज़रा दिमाग लगाइए

Brain Storming Activity

12. नीचे कॉलम 'क' तथा 'ख' बने हैं। दोनों को मिलाकर बताइए कि कौन-सा चित्र किस पर्व से संबंध रखता है।

'क'	'ख'
(क) दीपावली	
(ख) रक्षाबंधन	
(ग) होली	
(घ) क्रिसमस	
(ङ) नवरात्रि	

ज़रा रंग भरिए

Art Integrated Activity

13. विभिन्न रंगों का प्रयोग कर नीचे दिए दृश्य में रंग भरिए।

अध्याय 4

भोर हो गई आलस छोड़ो

(कविता)

अध्ययन से पूर्व

कविता का मूल तत्व

प्रस्तुत कविता में आलस्य को छोड़कर पढ़ना, लिखना, बड़े आदमी बनने के बारे में बताया गया है। साथ ही सूरज, मुर्गा और चिड़िया जोकि हमें सुबह-सुबह अपनी आवाज़ और विभिन्न क्रियाओं द्वारा आलस्य को छोड़कर जगाने का काम करते हैं, के बारे में लिखा गया है।

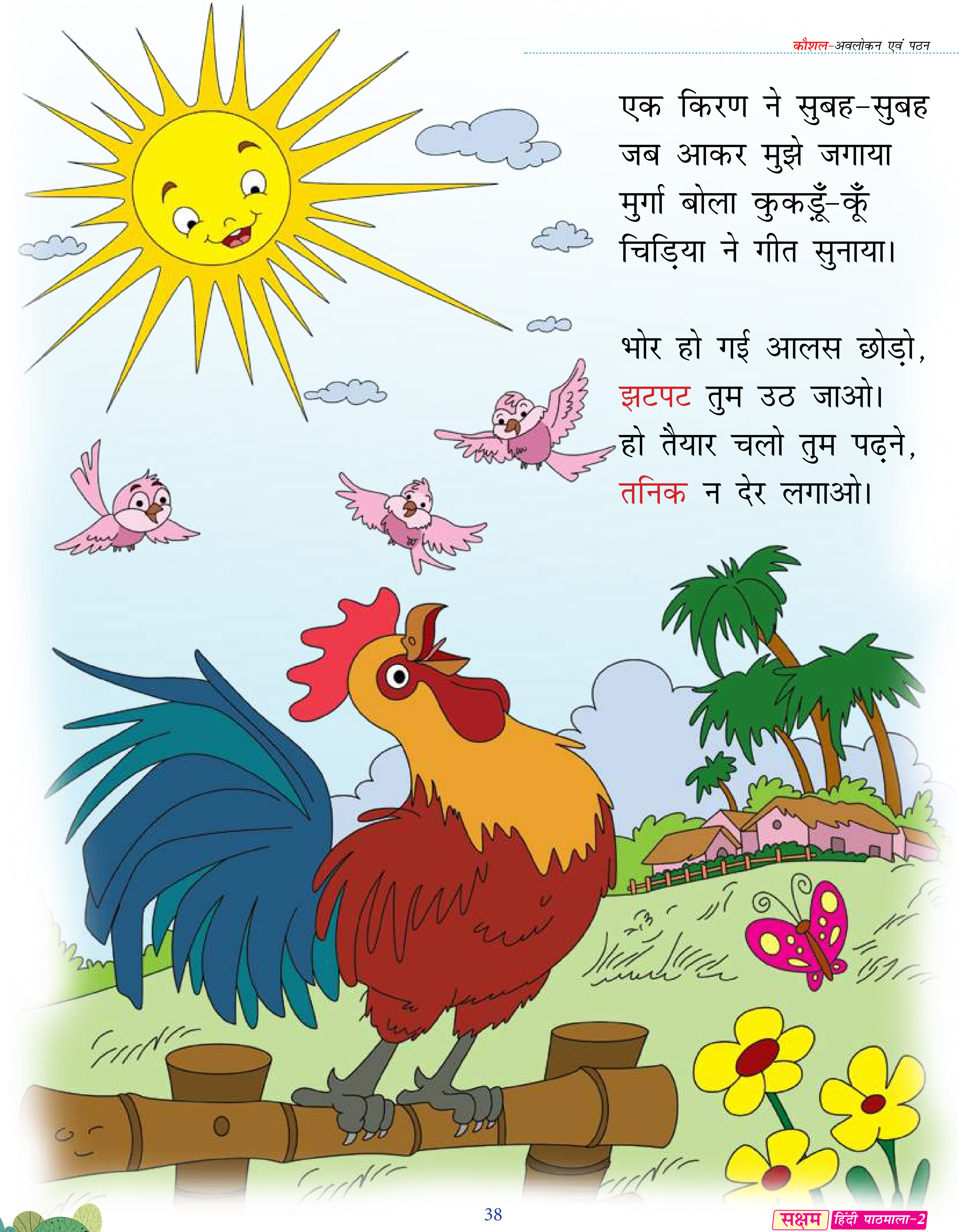

एक किरण ने सुबह-सुबह
जब आकर मुझे जगाया
मुर्गा बोला कुकड़ूँ-कूँ
चिड़िया ने गीत सुनाया।

भोर हो गई आलस छोड़ो,
झटपट तुम उठ जाओ।
हो तैयार चलो तुम पढ़ने,
तनिक न देर लगाओ।

मैं भी झट तैयार हुआ,
आलस्य न मुझको आया।
झटपट पहुँचा विद्यालय मैं,
पढ़ना मुझको भाया।

पढ़ना, लिखना, ज्ञान बढ़ाना,
ये जीवन के काम।
बड़े बनो, यश-धन को पाओ
सदा बढ़ाओ मान।

शब्दार्थ

झटपट	=	तुरंत, एकदम, जल्दी से	आलस्य	=	सुस्ती
तनिक	=	थोड़ा, अल्प	यश	=	नाम कमाना
सदा	=	हमेशा	मान	=	आदर सम्मान

उच्चारण करें

कुकड़ूँ-कूँ झटपट विद्यालय आलस्य तनिक

श्रुतलेख

fdj.k NkMk Kku c<kvk thou

शिक्षण संकेत

शिक्षक/शिक्षिका कक्षा में बच्चों को कविता का पाठ उसके मूलभाव के साथ कराएँ साथ ही पाठ में आए कुछ कठिन शब्दों के अर्थ बताते हुए उनके भाषा कौशल में सुधार करें।

अभ्यास कार्य

ज़रा बोलिए
Speaking Skills

1. दिए गए प्रश्नों के उत्तर बताइए।

(क) सुबह होने पर क्या त्याग देना चाहिए?

(ख) सुबह होते ही बच्चे कहाँ जाते हैं?

(ग) गीत कौन सुनाता है?

(घ) यश प्राप्त कर हम अपना क्या बढ़ा सकते हैं?

ज़रा लिखिए
Writing Skills

2. दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

(क) बच्चों को किसने जगाया?

....

(ख) बच्चा तैयार क्यों हो रहा है?

....

(ग) जीवन के क्या काम हैं?

....

(घ) प्रस्तुत कविता में क्या संदेश दिया गया है?

....

3. सही मिलान कीजिए।

(क) मुर्गा	(i) पढ़ना
(ख) चिड़िया	(ii) किरण
(ग) विद्यालय	(iii) कुकड़ूँ-कूँ
(घ) सुबह	(iv) गीत

ज़रा सोचिए

Critical Thinking

4. सुबह जगने के क्या-क्या फायदे होते हैं? सोचकर बताइए।

ज़रा भाषा पर गौर कीजिए

Language Skills

5. नीचे दिए गए शब्दों में से शुद्ध शब्द पर ○ लगाइए।

कीरण	सूबह	चिड़िया	ग्यानी
ज्ञानी	मुर्गा	जिवन	संदेश
भोर	मान	तनिक	विद्यालय

6. विपरीत अर्थ वाले शब्द लिखिए।

(क) सुबह .... (ख) जीवन ....

(ग) देर .... (घ) मुर्गा ....

ज़रा रचनात्मक कार्य कीजिए

Creative Skills

7. प्रस्तुत कविता की कौन सी पंक्तियाँ आपको सबसे ज्यादा अच्छी लगीं? आपस में चर्चा कीजिए।

8. आप पढ़ लिखकर क्या बनना चाहते हैं? पाँच पंक्तियों में लिखिए।

....

....

....

....

....

ज़रा दिमाग लगाइए

Brain Storming Activity

9. नीचे दिए गए शब्द पहेली में से पाठ में आए शब्दों को ढूँढ़िए।

न	ग	ख	म	न	मु
य	श	आ	न	च	झ
त	क	ल	प	झ	को
नि	ल	स्	र	ट	च
क	र	य	ज	प	न
मा	न	ग	झ	ट	म

ज़रा रंग भरिए

Art Integrated Activity

12. नीचे दिए गए चित्रों में रंग भरिए।

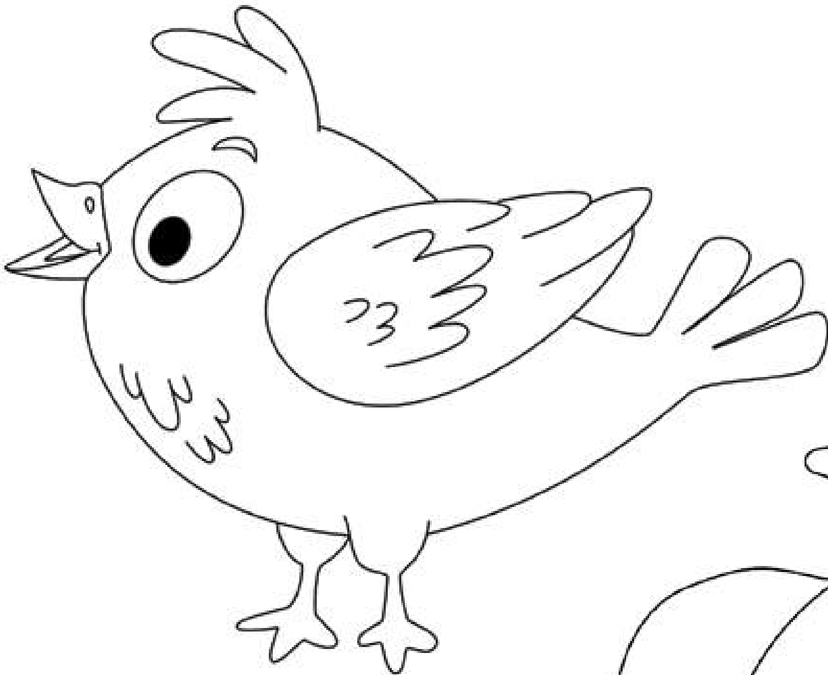

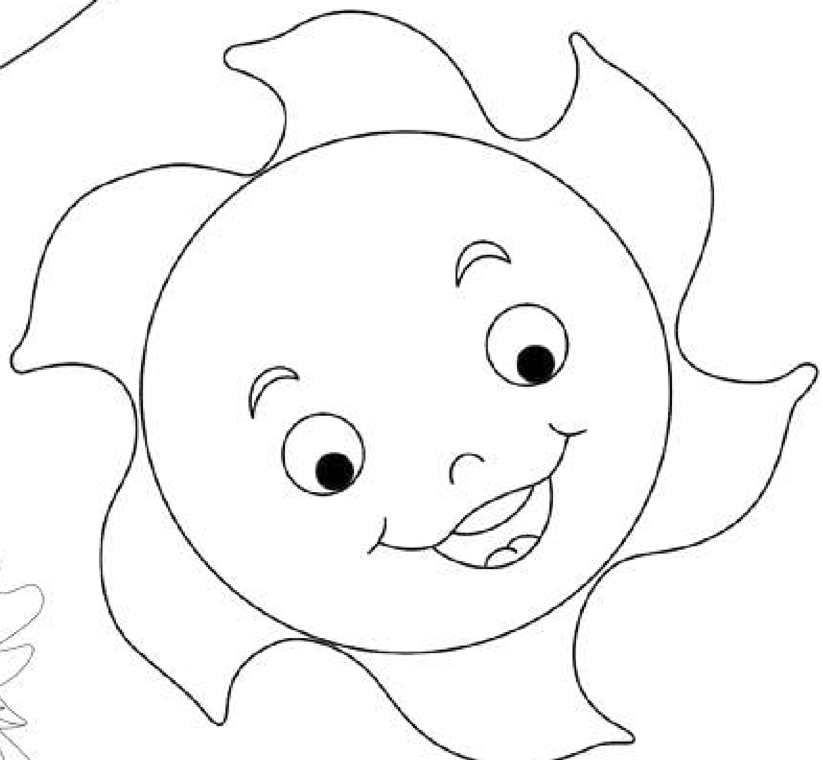

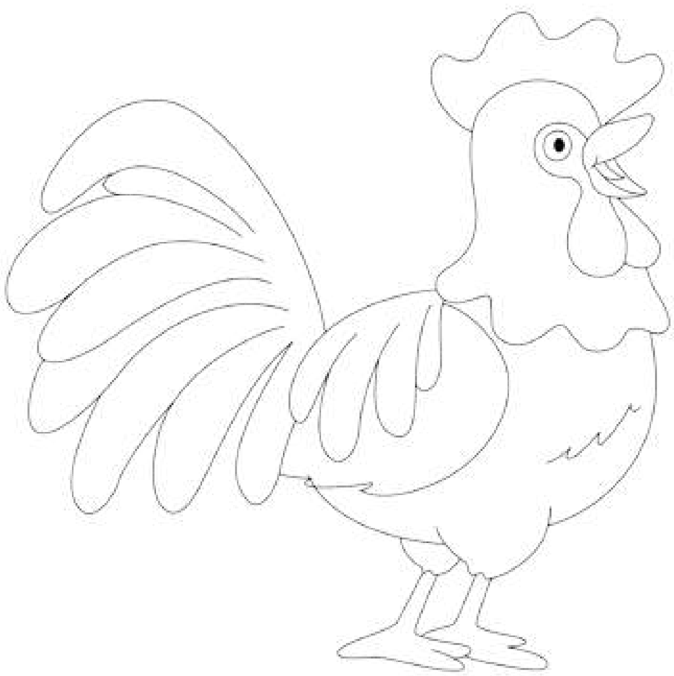

अध्याय 5

हमारा राष्ट्रीय ध्वज
(संवाद)

अध्ययन से पूर्व

संवाद का मूल तत्व

प्रस्तुत पाठ में हमें अपने राष्ट्रीय ध्वज के संबंध में सम्पूर्ण जानकारियाँ दी गई हैं। साथ ही, यह भी बताया गया है कि प्रत्येक देशवासी को अपने राष्ट्र ध्वज का सम्मान करना चाहिए।

अध्यापक – प्यारे बच्चो! बताओ, हम अपने राष्ट्रीय ध्वज को क्या कहते हैं।

सभी बच्चे – तिरंगा झंडा

अध्यापक – बिल्कुल ठीक। आज हम इसी तिरंगे झंडे के बारे में चर्चा करेंगे।

प्रीति – मास्टर जी, इसे तिरंगा झंडा क्यों कहा जाता है?

अध्यापक – इसे तिरंगा झंडा इसलिए कहा जाता है क्योंकि इसमें तीन रंगों का प्रयोग किया गया है। बच्चो! तुम लोगों ने देखा कि इस झंडे में तीन रंग की पट्टियाँ हैं। ये तीनों पट्टियाँ हमें अलग-अलग बातों का ज्ञान कराती हैं।

मोनू – जी हाँ, इसमें सबसे ऊपर केसरिया रंग की पट्टी दिखाई दे रही है।

मोनाली – मास्टर जी यह केसरिया रंग की पट्टी क्या बताती है?

अध्यापक – बच्चो! केसरिया रंग वीरता और बलिदान का प्रतीक है। पुराने समय में वीर सैनिक केसरिया वस्त्र पहनकर युद्ध करने जाते थे।

मयंक – इस झंडे के बीच में तो सफेद रंग की पट्टी है यह क्या दर्शाती है?

अध्यापक – बच्चो! सफ़ेद रंग सच्चाई, पवित्रता और शांति का प्रतीक है। हमारा देश सत्य, अहिंसा और शांति का पुजारी है।

मंजेश – मास्टर जी, इस सफ़ेद रंग की पट्टी पर कुछ और भी बना हुआ है यह क्या है?

अध्यापक – बच्चो! सफ़ेद पट्टी पर नीले रंग का एक चक्र बना हुआ है। इसे वाराणसी के पास स्थित सारनाथ के अशोक स्तंभ से लिया गया है। इस चक्र की 24 तीलियाँ चौबीसों घंटे आगे बढ़ते रहने की प्रेरणा देती हैं।

प्रीति – मास्टर जी, अब आप हमें सबसे नीचे की हरी पट्टी के बारे में बताइए।

अध्यापक – बच्चो! हरा रंग हरियाली और खुशहाली का प्रतीक है। अधिक अन्न उगाकर हम अपने देश के लोगों की भूख मिटा सकते हैं। यदि हमारी धरती हरी-भरी रहेगी तो प्रदूषण का खतरा भी नहीं रहेगा।

बच्चो! राष्ट्र ध्वज को फहराते समय हमें कुछ बातों का ध्यान रखना चाहिए-

- इसकी केसरिया रंग की पट्टी हमेशा ऊपर रहनी चाहिए।
- जब कई अन्य झंडे फ़हरा रहे हों तब राष्ट्रध्वज को सबसे ऊपर रखना चाहिए।

- इसे कभी भी फटी अथवा गंदी अवस्था में नहीं फहराना चाहिए।
- संध्या के समय इसे उतार लेना चाहिए।
- हमें राष्ट्रीय झंडे का सदा सम्मान करना चाहिए।

शब्दार्थ

ध्वज	= झंडा	दर्शाती	= दिखाना
प्रयोग	= इस्तेमाल	पवित्रता	= शुद्धता
वीरता	= बहादुरी	सत्य	= सच्चाई
बलिदान	= कुर्बानी	अहिंसा	= किसी पर हिंसा न करना
प्रतीक	= चिन्ह	चक्र	= पहिया
स्तंभ	= खंभा	राष्ट्र	= देश
प्रेरणा	= संदेश	अवस्था	= स्थिति
सदा	= हमेशा	सम्मान	= आदर

उच्चारण करें

स्तंभ राष्ट्रीय हरियाली अन्न पट्टी

श्रुतलेख

I kjukFk rhfy;k dlfj;k ekLVj Kku

शिक्षण संकेत

शिक्षक/शिक्षिका कक्षा में बच्चों को राष्ट्रीय ध्वज के बारे में विस्तारपूर्वक कहानी के माध्यम से समझाएँ ताकि बच्चे उससे जुड़ाव महसूस कर सकें और तथ्यों को आसानी से ग्रहण कर लें।

अभ्यास कार्य

ज़रा बोलिए

Speaking Skills

1. दिए गए प्रश्नों के उत्तर बताइए।

(क) हमारे राष्ट्रीय ध्वज का क्या नाम है?

(ख) हमारे राष्ट्रीय ध्वज में कितने रंग की पट्टियाँ होती हैं?

(ग) राष्ट्रीय ध्वज में सबसे नीचे कौन-सा रंग होता है?

(घ) राष्ट्रीय ध्वज के बीच में बने चक्र में कितनी तीलियाँ होती हैं?

(ङ) क्या आप अपने राष्ट्रीय ध्वज का सम्मान करते हैं।

ज़रा लिखिए

Writing Skills

2. दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

(क) हमारे राष्ट्रीय ध्वज में चक्र के बारे में कुछ लाइनें लिखिए।

....

(ख) राष्ट्रीय ध्वज में कौन-कौन से रंग हैं? नाम लिखिए।

....

(ग) हमारे राष्ट्रीय ध्वज को तिरंगा क्यों कहते हैं?

....

3. सही शब्द भरकर रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए।

(क) हमारे राष्ट्रीय ध्वज में .... पट्टियाँ होती हैं।

(i) दो (ii) तीन

(iii) चार (iv) पाँच

(ख) हमारे राष्ट्रीय ध्वज के चक्र में .... तीलियाँ होती हैं।

(i) 22 (ii) 23

(iii) 24 (iv) 25

(ग) चक्र .... के स्तंभ से लिया गया है।

(i) प्रयागराज (ii) सारनाथ

(iii) रंगनाथ (iv) लाल किला

4. नीचे दिए गए वाक्यों को ध्यानपूर्वक पढ़कर (✓) ठीक और (✗) गलत का निशान लगाइए।

(क) हमें राष्ट्रीय ध्वज को कभी भी फटा अथवा गंदा नहीं रखना चाहिए। ☐

(ख) चक्र का रंग पीला है। ☐

(ग) हमें अपने राष्ट्रीय ध्वज का सदैव सम्मान करना चाहिए। ☐

(घ) राष्ट्रीय ध्वज का सफ़ेद रंग खुशहाली का प्रतीक है। ☐

(ङ) हमारे राष्ट्रीय ध्वज में कुल 22 तीलियाँ होती हैं। ☐

ज़रा सोचिए

Critical Thinking

5. आपके विद्यालय में राष्ट्रीय ध्वज कब-कब फहराया जाता है? सोचकर बताइए।

ज़रा भाषा पर गौर कीजिए

Language Skills

6. नीचे दिए गए शब्दों से वाक्य बनाइए।

(क) चक्र ....

(ख) झंडा ....

(ग) केसरिया ....

(घ) प्रतीक ....

(ङ) सम्मान ....

7. नीचे दिए गए शब्द समूहों में से अशुद्ध शब्द पर ○ लगाइए।

तिरंगा	ध्वज	राष्ट्रीय	केसरिया	हरीयाली
सतंभ	वीरता	बलीदान	तिलीयाँ	निला

8. नीचे दिए गए शब्दों के पर्यायवाची शब्द लिखिए।

(क) ध्वज – .... (ख) सम्मान – ....

(ग) सफ़ेद – .... (घ) चक्र – ....

(ङ) संध्या – .... (च) मास्टर – ....

ज़रा रचनात्मक कार्य कीजिए

Creative Skills

9. प्रस्तुत पाठ में बताई गई महत्वपूर्ण बातों को अपने दोस्तों के साथ चर्चा कीजिए।

10. राष्ट्रीय ध्वज के बारे में पाँच पंक्तियाँ अपने शब्दों में लिखिए।

....

....

....

....

....

ज़रा दिमाग लगाइए

Brain Storming Activity

11. नीचे दिए गए चित्र को देखिए तथा यह पता लगाइए कि इसमें क्या-क्या गलतियाँ हैं? उनमें सुधार कीजिए।

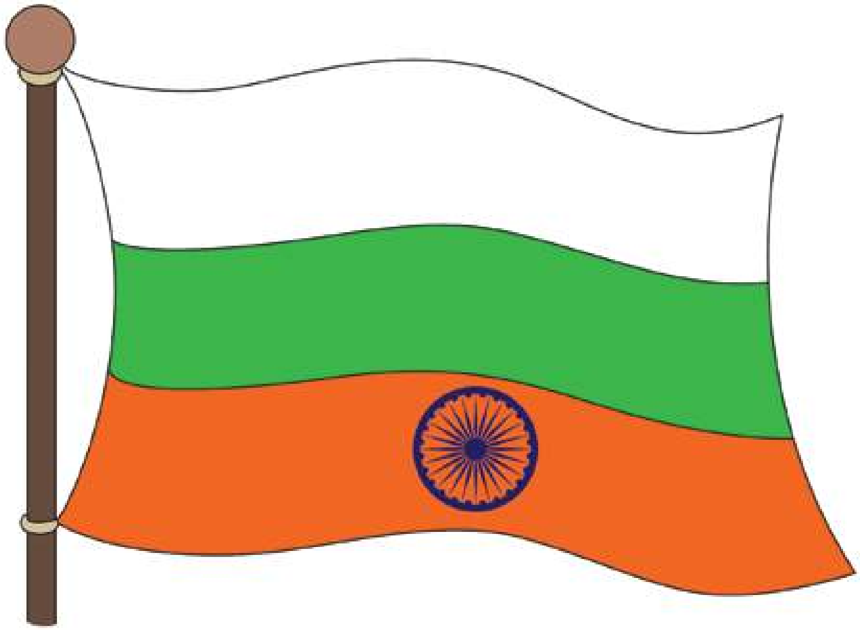

ज़रा रंग भरिए

Art Integrated Activity

12. 'राष्ट्रीय ध्वज का सुंदर चित्र बनाकर उसमें रंग भरिए।

अध्याय 6

दादाजी की सीख
(कहानी)

अध्ययन से पूर्व

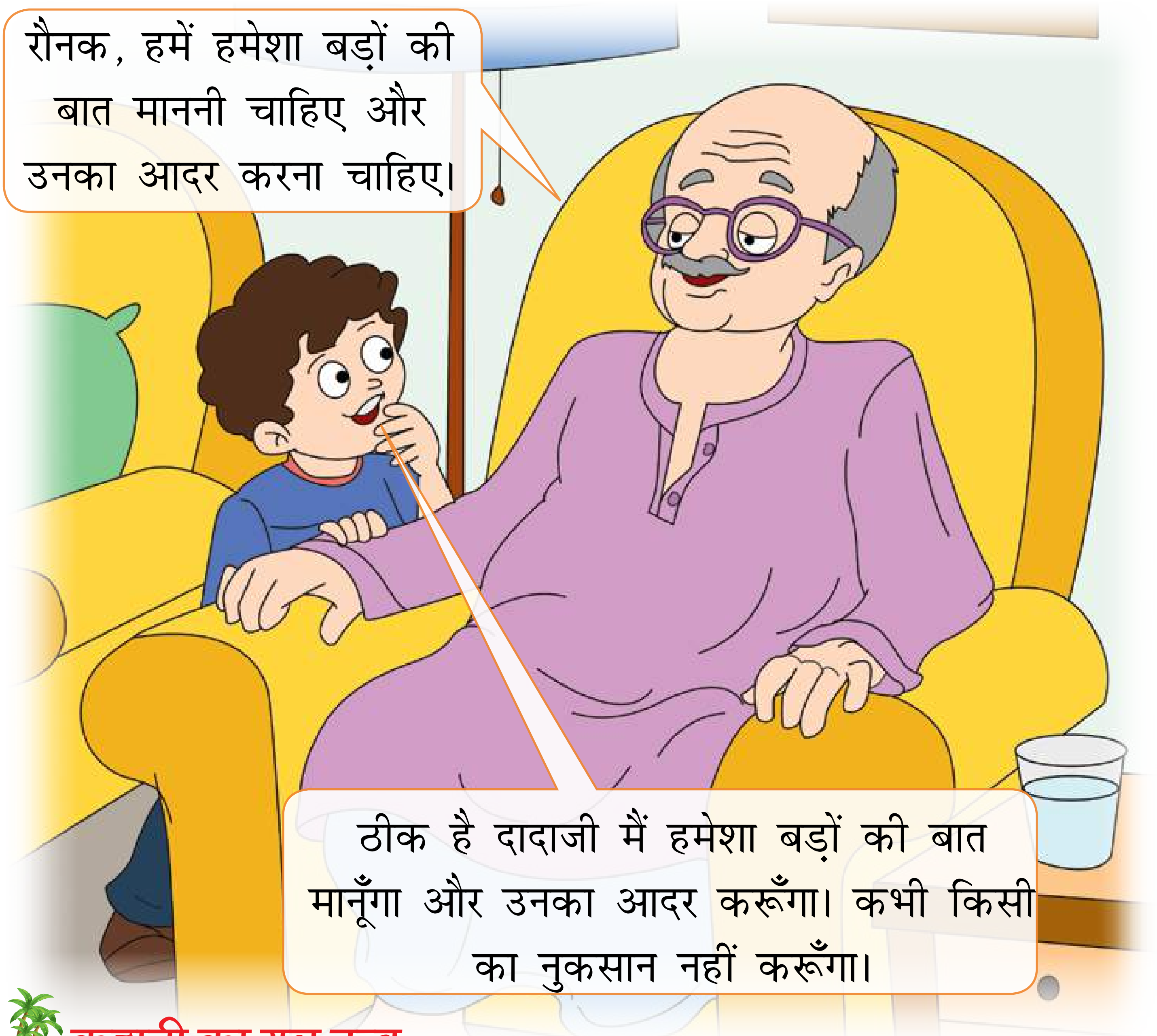

कहानी का मूल तत्व

हमें अपने जीवन में हमेशा अच्छी आदतों को अपनाना चाहिए तथा दूसरों के साथ बेहतर और आदरपूर्ण व्यवहार करना चाहिए। हमें अपनी आदतों से कभी किसी को नुकसान नहीं पहुँचाना चाहिए।

किसी शहर में एक लड़का रहता था। उसका नाम राहुल था। लोगों को परेशान करना, रास्ते चलते हुए कुत्तों को पत्थर मारना, न जाने उसमें कितनी बुरी आदतें थीं। उसके मम्मी-पापा उससे बहुत परेशान रहते थे। स्कूल की एक हफ़्ते की छुट्टियाँ होने पर राहुल के मम्मी-पापा ने उसे उसके दादाजी के पास गाँव भेज दिया। वहाँ जाते ही राहुल ने फिर अपनी शैतानियाँ शुरु कर दीं। रोज़ गाँव के लोग उसकी शिकायत लेकर दादाजी के पास पहुँच जाते। परेशान दादाजी एक दिन उसे अपने बगीचे में ले गए। वहाँ जाकर उन्होंने राहुल से एक छोटे पौधे को उखाड़ने के लिए कहा। राहुल ने झट से उसे उखाड़ दिया। उसके बाद दादाजी ने एक और थोड़े बड़े पौधे को उखाड़ने के लिए कहा। राहुल ने उसे भी खींचकर निकाल दिया। अबकी बार दादाजी ने उसे बड़ी झाड़ी को उखाड़ने के लिए कहा। राहुल ने अपना सारा जोर लगा दिया लेकिन वह झाड़ी थी कि टस-से-मस नहीं हुई। राहुल ने गहरी साँस लेते हुए कहा,"दादाजी इसे उखाड़ना बहुत मुश्किल है।"

तब दादाजी ने कहा, "बेटे बिल्कुल ऐसे ही हमारी आदतों के साथ है। इन्हें शुरूआत में निकालना आसान है लेकिन अगर ये अपनी जड़ पकड़ लें तो इन्हें निकालना बहुत मुश्किल है।" दादाजी की इस शिक्षा से राहुल का जीवन बिल्कुल बदल गया। अब वह एक अच्छे बच्चे की तरह रहने लगा। उसके इस बदले व्यवहार से सभी उससे अच्छा व्यवहार करने लगे।

शब्दार्थ

परेशान करना	=	दु:खी करना	शुरूआत	=	प्रारंभ
शैतानियाँ	=	बदमाशियाँ	मुश्किल	=	कठिन
शिकायत	=	उलाहना	व्यवहार	=	बर्ताव

उच्चारण करें

बिल्कुल   निकालना   आदतों   खींचकर   उखाड़ना

श्रुतलेख

0;ogkj   vklku   NVfV;k   jkgy   dRrk

शिक्षण संकेत

शिक्षक/शिक्षिका कक्षा में बच्चों को कहानी में छिपे मूलभाव को विस्तार से समझाएँ तथा बच्चों को विनम्र, उदार, ईमानदार तथा व्यवहार कुशल बनने की प्रेरणा दें।

अभ्यास कार्य

ज़रा बोलिए

Speaking Skills

1. दिए गए प्रश्नों के उत्तर बताइए।

(क) लोगों को कौन परेशान करता था?

(ख) राहुल में कौन-कौन सी बुरी आदतें थीं?

(ग) राहुल के मम्मी-पापा ने छुट्टियों में उसे किसके पास भेज दिया?

(घ) राहुल का जीवन कैसे बदल गया?

ज़रा लिखिए

Writing Skills

2. दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

(क) राहुल के मम्मी-पापा उससे क्यों परेशान रहते थे?

....

(ख) राहुल को दादाजी बगीचे में क्यों लेकर गए थे?

....

(ग) दादाजी ने राहुल को क्या शिक्षा दी?

....

3. **नीचे दिए गए वाक्यों को ध्यानपूर्वक पढ़कर (✓) ठीक और (✗) गलत का निशान लगाइए।**

(क) राहुल के मम्मी-पापा ने उसे मामाजी के घर भेज दिया था। ☐

(ख) राहुल दादाजी के साथ बाज़ार गया। ☐

(ग) दादाजी की शिक्षा से राहुल के व्यवहार में परिवर्तन आया। ☐

4. **पाठ के आधार पर सही शब्द भरकर वाक्यों को पूरा कीजिए।**

(क) विद्यालय की .... की छुट्टियाँ थीं।
(एक हफ़्ते/दस दिन)

(ख) राहुल रास्ते पर चलते हुए कुत्तों को .... परेशान करता था।
(पानी फ़ेंककर/पत्थर मारकर)

(ग) दादाजी ने राहुल से एक .... को उखाड़ने के लिए कहा।
(छोटी झड़ियाँ/छोटे पौधे)

ज़रा सोचिए

Critical Thinking

5. **प्रस्तुत पाठ में यदि आप राहुल की जगह होते तो किस प्रकार के कार्य करते? सोचकर बताइए।**

ज़रा भाषा पर गौर कीजिए

Language Skills

6. **नीचे दिए गए शब्दों को शुद्ध रूप में लिखिए।**

(क) पतथर .... (ख) छुट्टियाँ ....

(ग) झाड़ि .... (घ) गहरि ....

7. ‘े’ की मात्रा लगाकर शब्दों को पूरा कीजिए।

(क) पौध .... (ख) उखाड़न ....

(ग) बगीच .... (घ) परशान ....

(ङ) लत .... (च) एसा ....

8. देखिए, सीखिए तथा समझिए और वर्णों को मिलाकर लिखिए।

(क)	ब् + आ – बा	ल् + अ = ल	=	बाल
(ख)	प् + आ –	स् + अ = ...	=	....
(ग)	ब् + उ –	झ् + आ = ...	=	....
(घ)	क् + आ –	ल् + आ = ...	=	....
(ङ)	भ् + ऊ –	र् + आ = ...	=	....

ज़रा रचनात्मक कार्य कीजिए

Creative Skills

9. प्रस्तुत पाठ से आपने क्या सीखा? कक्षा में चर्चा कीजिए।

10. आप घर में बड़ों के साथ किस प्रकार का व्यवहार करते हैं? अपने शब्दों में लिखकर बताइए।

....

....

....

....

....

ज़रा दिमाग लगाइए

Brain Storming Activity

9. नीचे दिए गए शब्द पहेली में से उन गुणों को ढूँढ़िए जो आपके अंदर हैं।

ई	ड	च	आ	ल	सी	प
मा	ख	वि	न	म्र	ख	ल
न	गु	श	आ	ज्ञा	का	री
दा	णी	वा	शि	थि	ल	ज
र	म	सी	चो	र	क	म

ज़रा रंग भरिए

Art Integrated Activity

12. नीचे दिए गए चित्र को पूरा कर उसमें रंग भरिए।

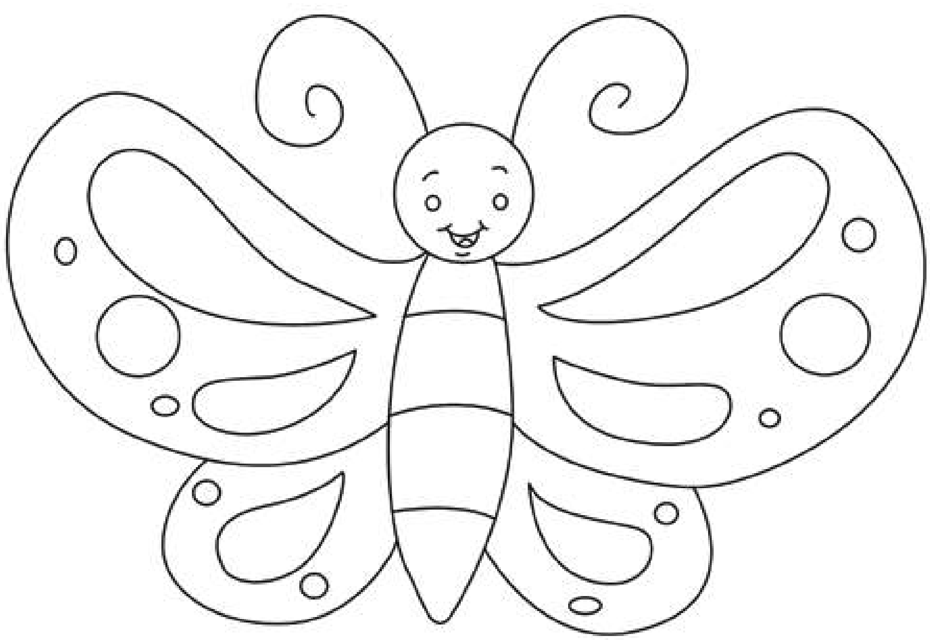

अध्याय 7

रंग बिरंगी धरती

(कविता)

अध्ययन से पूर्व

कविता का मूल तत्व

प्रस्तुत कविता में प्रकृति के सौंदर्य का वर्णन किया गया है। कविता में कवि ने धरती पर पायी जाने वाली सभी प्रमुख चीजों का वर्णन किया है। कवि ने मानव से प्रकृति के सौंदर्य को बरबाद न करने का भी अनुरोध किया है।

रंग-बिरंगी धरती बच्चो,
रंग-बिरंगी धरती।
देखो बच्चो, इस धरती पर,
वृक्ष हरे लहराते।
इस पर बैठे पक्षी
मीठे-मीठे राग सुनाते।
इनके नीचे रोज़ सवेरे,
छोटी हिरनी चरती।
रंग-बिरंगी धरती बच्चो,
रंग-बिरंगी धरती।
ऊँचे-ऊँचे पर्वत नदियाँ,
सबकी बात निराली।
इसकी शान बढ़ा देती है,
जंगल की हरियाली।
बूढ़ी नानी इस जंगल की,
हरदम रक्षा करती।
रंग-बिरंगी धरती बच्चो,
रंग-बिरंगी धरती।
जंगल का धरती से बच्चो,
बड़ा पुराना नाता।
बाघ, सिंह, गैंडे, हाथी को,
सारा जंगल भाता।
पानी और हवा जंगल की,
सबकी पीड़ा हरती।

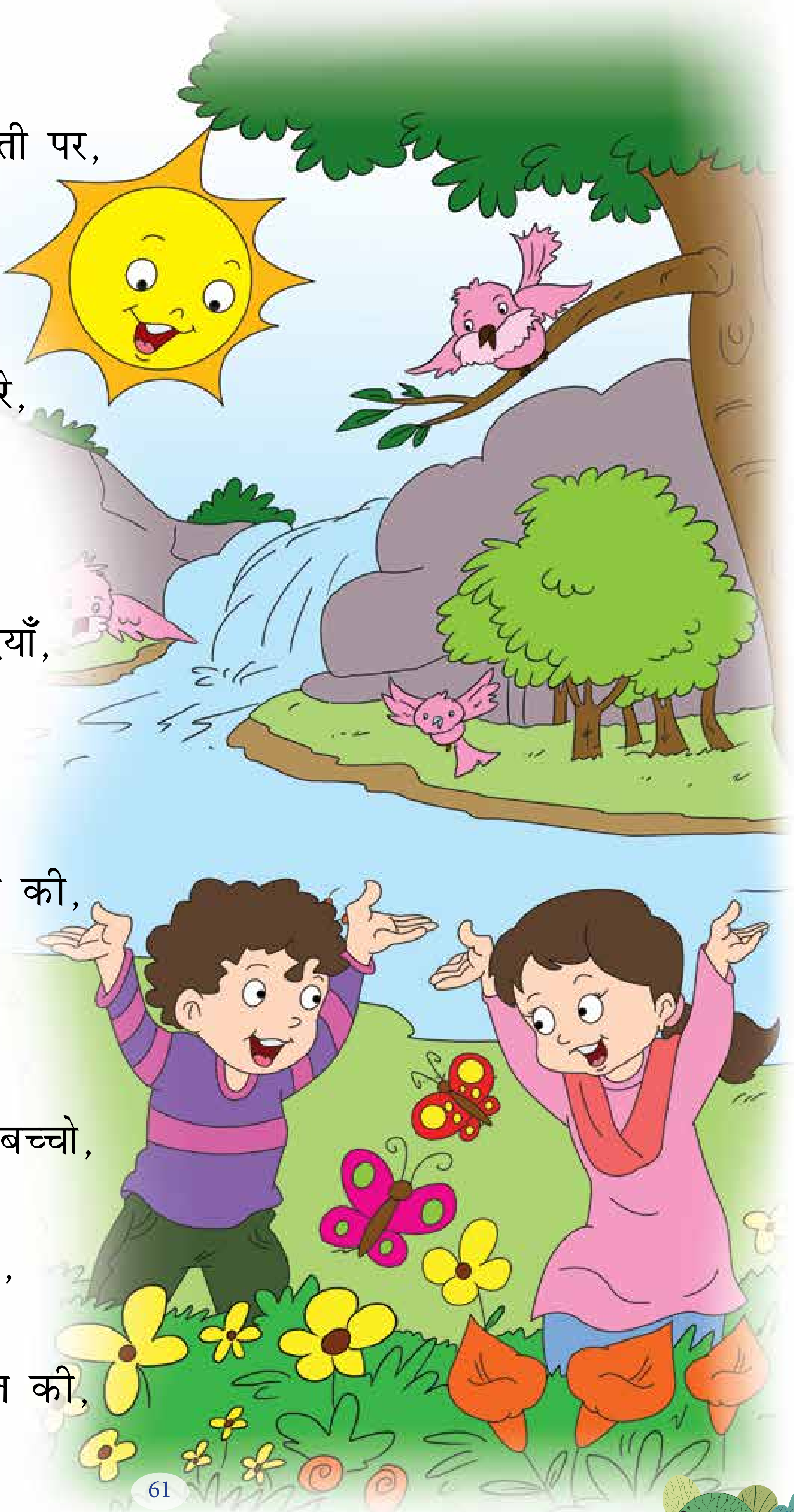

रंग-बिरंगी धरती बच्चो,
रंग-बिरंगी धरती।
हरे-भरे लहराने वाले,
जंगल को मत काटो।
मार जंगली जीवों को तुम,
मौत न सबको बाँटो।
जीव, जंगलों के मिटते ही,
सारी दुनिया मरती।
रंग-बिरंगी धरती बच्चो,
रंग-बिरंगी धरती।

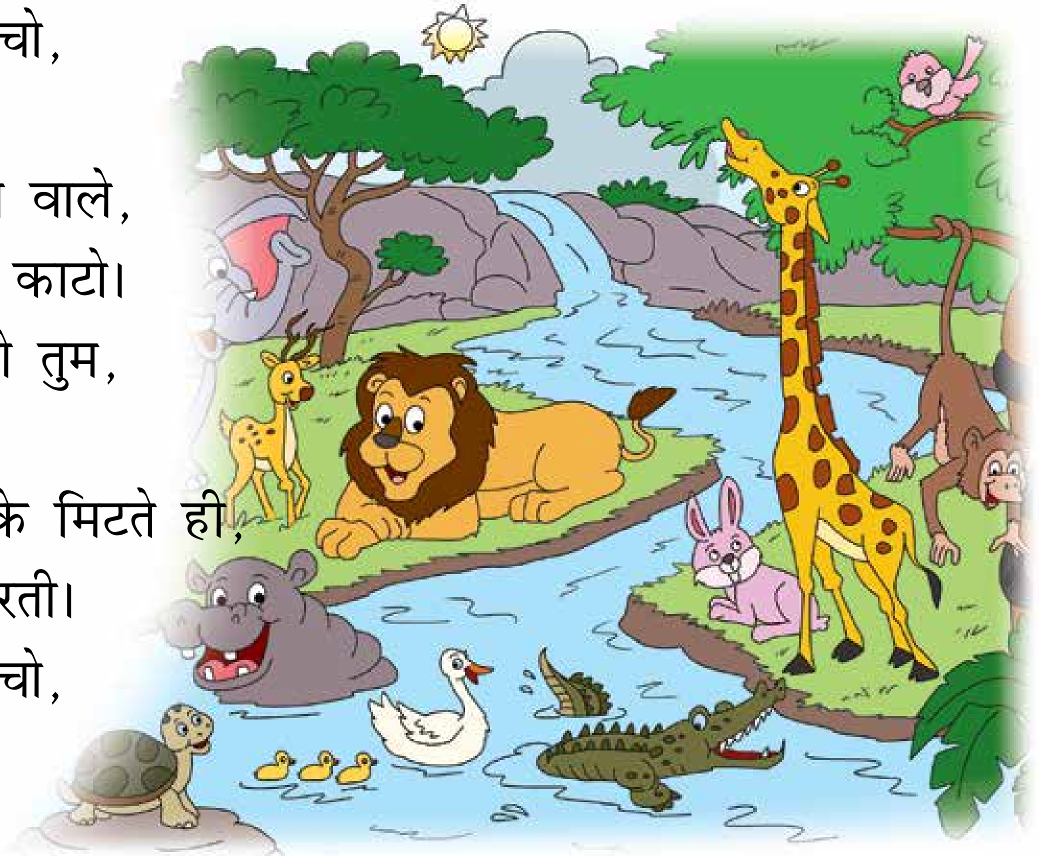

शब्दार्थ

वृक्ष	= पेड़	पीड़ा	= दु:ख
निराली	= अनोखा	शान	= प्रतिष्ठा, महत्व
रक्षा	= सुरक्षा	हरदम	= हमेशा, प्रत्येक समय

उच्चारण करें

गैंडे   बिरंगी   सिंह   हरती   बाँटो

श्रुतलेख

jkx   ygjkr   txy   /kjrh   fgjuh

शिक्षण संकेत

शिक्षक/शिक्षिका कक्षा में बच्चों को कविता का भावार्थ समझाएँ तथा बच्चों में पर्यावरण के प्रति जागरुकता लाने का प्रयास करें।

अभ्यास कार्य

ज़रा बोलिए

Speaking Skills

1. दिए गए प्रश्नों के उत्तर बताइए।

(क) हिरनी रोज़ सवेरे कहाँ चरती है?

(ख) कविता में रंग-बिरंगी धरती के बारे में किसे बताया जा रहा है?

(ग) वृक्ष पर बैठकर मीठे राग कौन सुनाते हैं?

(घ) जंगल की हरदम रक्षा कौन करती है?

ज़रा लिखिए

Writing Skills

2. नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

(क) जंगल की हरियाली किसकी शान बढ़ा देती है?

....

(ख) जंगल किसे भाता है?

....

(ग) कवि जंगल को नहीं काटने की बात क्यों कर रहा है?

....

(घ) जंगल में रहने वालों की पीड़ा कौन हरती है?

....

3. नीचे दी गई पंक्तियों को पूरा कीजिए।

(क) इस पर बैठे पक्षी मीठे

....

(ख) ....

सबकी बात निराली

(ग) जंगल का धरती से बच्चो,

....

(घ) ....

सबकी पीड़ा हरती।

ज़रा सोचिए

Critical Thinking

4. यदि धरती पर जंगल नहीं होंगे तो उसका क्या परिणाम होगा? सोचकर बताइए।

ज़रा भाषा पर गौर कीजिए

Language Skills

5. नीचे दिए गए तुकांत शब्दों का सही मिलान कीजिए।

(क) धरती	(i) हरियाली
(ख) काटो	(ii) भरे
(ग) हरे	(iii) भाता
(घ) नाता	(iv) चरती
(ङ) निराली	(v) बाँटो

तुकांत शब्द के अंतिम वर्ण एक समान होते हैं और उसे बोलने में एक जैसा प्रतीत होता है।

6. नीचे दिए गए शब्दों में 'ई' की मात्रा जोड़कर पूर्ण शब्द बनाइए।

(क) पक्ष ....   (ख) मशान ....

(ग) राना ....   (घ) जलपर ....

(ङ) मोरन ....   (च) घड़ ....

7. नीचे दिए गए शब्दों से एक-एक वाक्य बनाइए।

(क) धरती – ....

(ख) नानी – ....

(ग) जंगल – ....

(घ) पक्षी – ....

(ङ) हवा – ....

ज़रा रचनात्मक कार्य कीजिए

Creative Skills

8. प्रस्तुत कविता से आपने क्या सीखा? आपस में चर्चा कीजिए।

9. 'रंग बिरंगी धरती' कविता में आपको कौन-सी पंक्ति सबसे अच्छी लगी? उस पंक्ति का भावार्थ लिखिए।

....

....

....

....

....

ज़रा दिमाग लगाइए

Brain Storming Activity

10. नीचे दिए गए चित्रों को देखकर बताइए कि किनकी चर्चा पाठ में की गई है? उन चित्रों पर (✓) ठीक और (✗) गलत का निशान

ज़रा रंग भरिए

Art Integrated Activity

12. नीचे दिए गए चित्रों में रंग भरिए।

अध्याय 8

शरारती खरगोश
(कहानी)

अध्ययन से पूर्व

चित्रों को देखकर बताइए कि इन सबको आपने कहाँ देखा है ?

....

....

कहानी का मूल तत्व

प्रस्तुत पाठ में एक खरगोश की ईमानदारी और किसान के साथ उसके वार्तालाप की चर्चा की गई है।

एक बार की बात है। एक गाँव में एक धोबी रहता था जिसके पास एक खरगोश था, जो बहुत पतला और कमजोर था। वह प्रतिदिन नदी के किनारे बहुत सारे कपड़ों के साथ खरगोश को ले जाता था। वह उस भोजन से संतुष्ट नहीं था जो धोबी उसे देता था इसलिए वह हमेशा पास के खेतों में घूमता रहता और फ़सल खाता

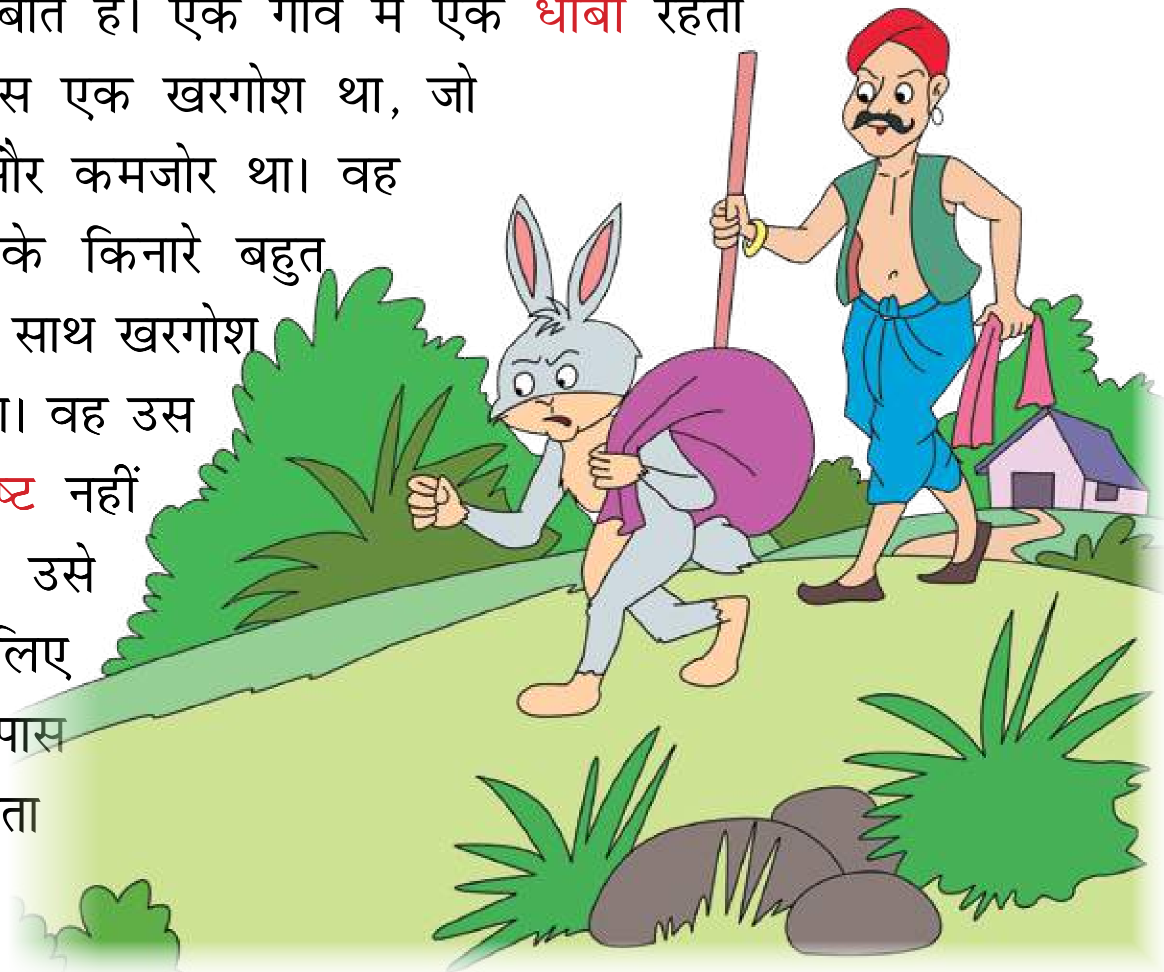

रहता था। एक दिन खरगोश को बहुत भूख लगी तो वह खेत की ओर भागा। उसने फ़सलें, फल और बहुत-सी अन्य चीजें देखीं और खाने लगा और इधर उधर कूदने लगा।

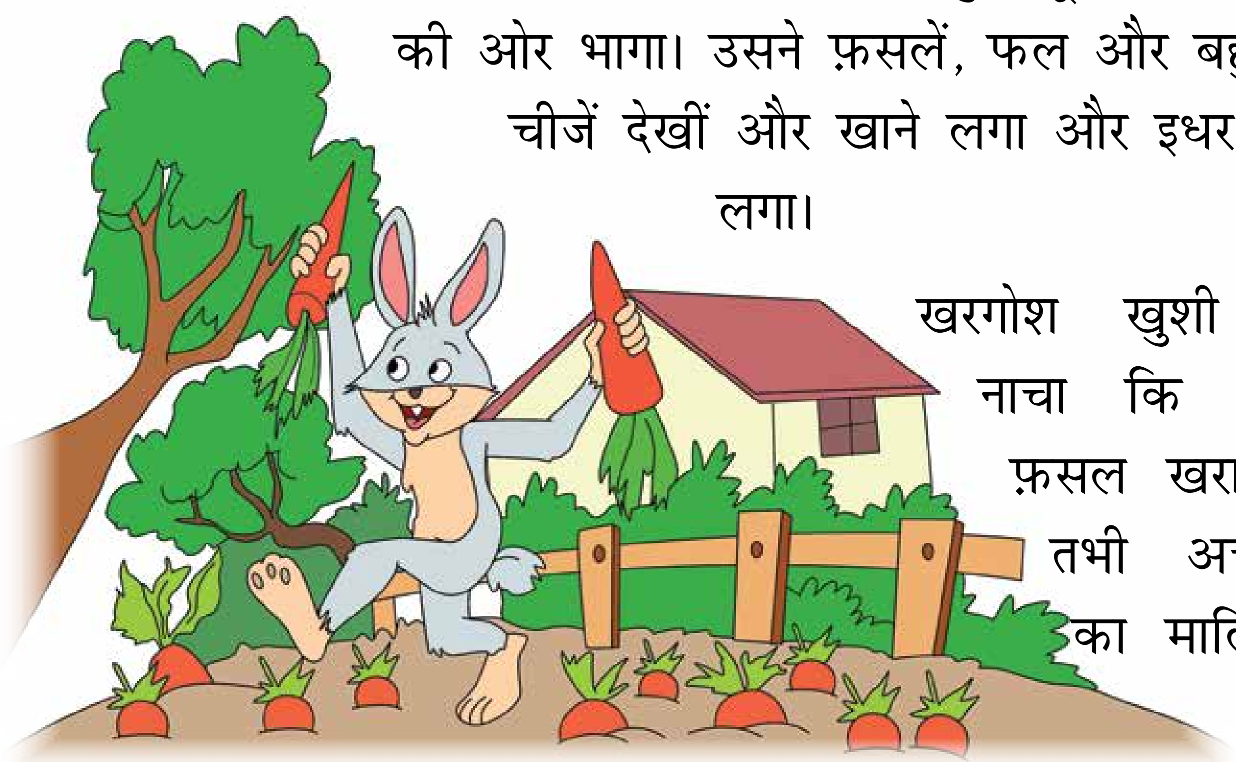

खरगोश खुशी में इतना नाचा कि उसने सारी फ़सल खराब कर दी। तभी अचानक खेत का मालिक किसान आया। और

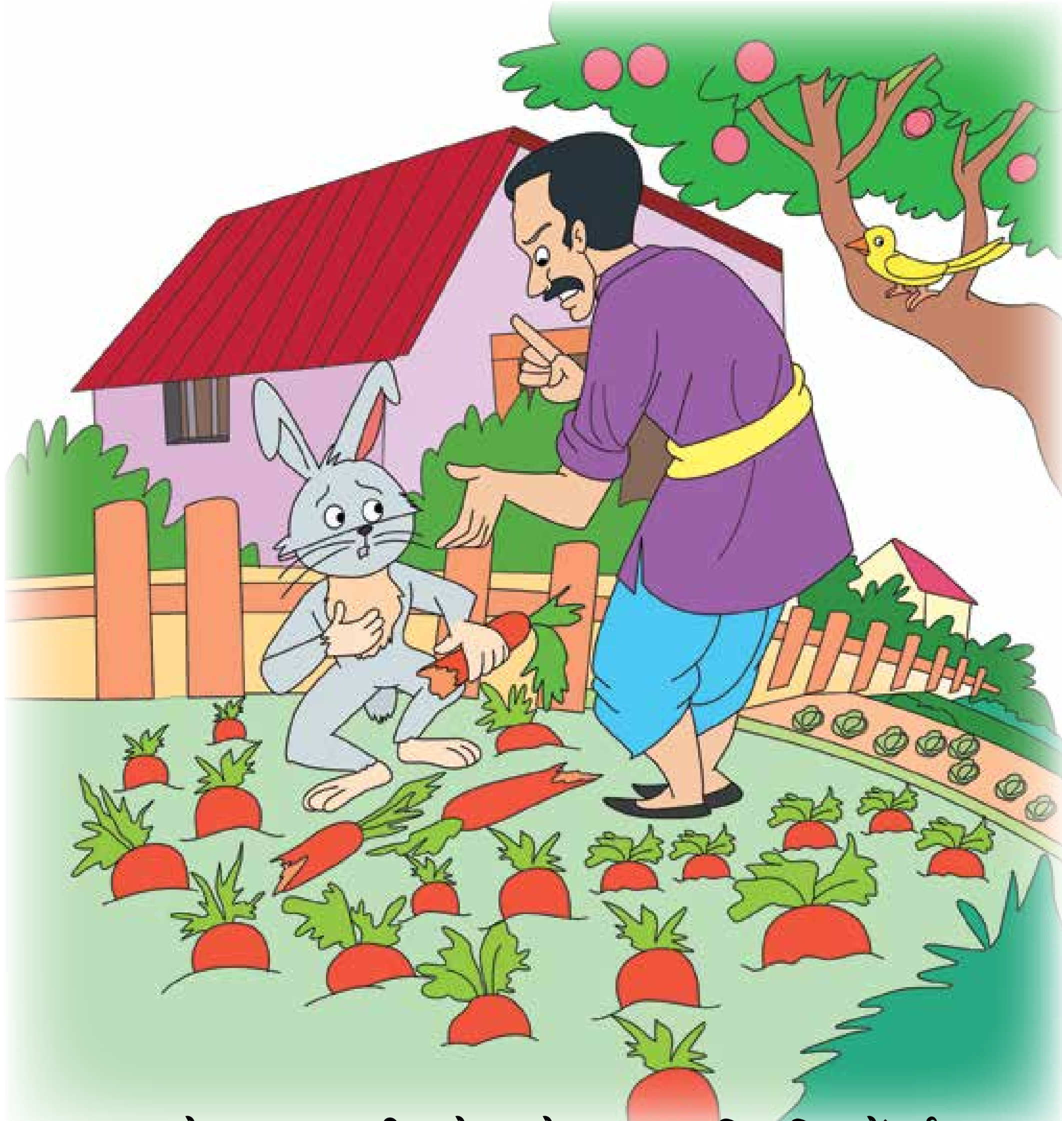

यह सब देखकर वह बहुत क्रोधित हुआ। किसान ने खरगोश से पूछा 'तुम यहाँ क्या कर रहे हो और क्यों नाच रहे हो?' खरगोश ने चकित और चिंतित होकर अपनी माँ की सलाह को याद किया। उसकी माँ ने एक बार उससे कहा था "बेटा हमेशा हल पहले सोचो" उसके बाद कुछ करो। कुछ भी हो हमेशा हर स्थिति में ईमानदार रहना चाहिए। बेईमानी से प्राप्त किया गया कोई भी लाभ हमेशा अल्पकालिक होता है, जो आपको कभी खुश नहीं रहने देगा। ईमानदारी बहुत कम लोगों में पाया जाने वाला ऐसा गुण है जिसका हर किसी को पालन करना चाहिए।

इसलिए खरगोश ने किसान से कहा कि वह अपने भोजन से संतुष्ट नहीं है और वह यहाँ खाने के लिए आया था। किसान ने कहा "इसलिए तुम नाच रहे थे।" खरगोश ने कहा, "मैंने दिन भर इतनी मेहनत की है लेकिन कभी कुछ खाने के लिए अच्छा नहीं मिला। फिर किसान ने उसे खाने के लिए इतनी गाजर दी जो उसने पेट भरकर खाई, और उसे कल लौटने के

लिए कहा, लेकिन उसने यह भी कहा कि 'उसकी फ़सल खराब मत करो।' खरगोश यह सुनकर चकित रह गया और सहमत हो गया। वह फिर से फ़सल में कूद गया। किसान ने कहा, "अब सावधान रहो, अन्यथा हमारा सौदा अब काम नहीं करेगा।" खरगोश ने गाजर ले ली और दौड़कर घर वापस आ गया।

शब्दार्थ

धोबी	= सामूहिक कपड़े धोने वाला	संतुष्ट	= सहमत, तृप्त
फ़सल	= खेतों में उगने वाला अनाज	पालन	= आज्ञा मानना
चकित	= भौंचक्का, हैरान	चिंतित	= चिंता करने वाला

उच्चारण करें

कमजोर   बिगड़ना   ईमानदार   सावधान   क्रोधित

श्रुतलेख

Økf/kr   fpfrr   bekunkj

xktj   vYidkfyd

शिक्षण संकेत

शिक्षक/शिक्षिका बच्चों को कहानी के बारे में बताएँ और उसका सार समझाएँ।

अभ्यास कार्य

ज़रा बोलिए

Speaking Skills

1. दिए गए प्रश्नों के उत्तर बताइए।

(क) खरगोश किसके साथ रहता था?

(ख) खरगोश की शारीरिक हालत कैसी थी।

(ग) खरगोश कहाँ नाचने लगा?

(घ) खरगोश ने खेत में क्या देखा?

ज़रा लिखिए

Writing Skills

2. नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

(क) खरगोश खेतों की ओर क्यों भागा ?

....

(ख) किसान ने खरगोश से क्या पूछा?

....

(ग) खरगोश की माँ ने क्या सलाह दी थी?

....

(घ) किसान ने खरगोश से सावधान रहने के लिए क्यों कहा?

....

3. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए-

(क) एक बार की बात है एक गाँव में .... रहता था।

(ख) धोबी बहुत सारे कपड़ों के साथ .... को भी ले जाता था।

(ग) खरगोश ने चकित और .... होकर अपनी माँ की सलाह को याद किया।

(घ) खरगोश ने किसान से कहा कि वह .... से संतुष्ट नहीं है।

(ङ) किसान ने उसे खाने के लिए इतनी .... दी जो उसने पेट भर खाई।

4. नीचे दिए गए वाक्यों को ध्यानपूर्वक पढ़कर (✓) सही और (✗) गलत का निशान लगाइए।

(क) धोबी के पास मोटा, ताजा खरगोश था। ☐

(ख) खरगोश फ़सल देखकर खेत में बिगड़ गया। ☐

(ग) किसान को देखकर खरगोश खूब हँसा। ☐

(घ) किसान ने खरगोश से वापस लौटने को कहा। ☐

(ङ) खरगोश को सावधान रहने के लिए किसान ने कहा। ☐

5. नीचे दिए गए संकेतों के आधार पर प्रश्न का उत्तर दीजिए।

(क) तुम यहाँ क्या कर रहे हो? और क्यों नाच रहे हो?

किसने कहा - ....

किसको कहा - ....

(ख) बेटा हमेशा पहले सोचो। उसके बाद कुछ करो।

किसने कहा - ....

किसको कहा - ....

(ग) मैंने दिन भर इतनी मेहनत की है, लेकिन कभी कुछ खाने के लिए अच्छा नहीं मिला।

किसने कहा - ....

किसको कहा - ....

(घ) अब सावधान रहो! अन्यथा हमारा सौदा अब काम नहीं करेगा।

किसने कहा - ....

किसको कहा - ....

ज़रा सोचिए

Critical Thinking

6. यदि किसान के खेत में खरगोश की जगह आप होते तो क्या करते? सोच-समझकर बताइए।

ज़रा भाषा पर गौर कीजिए

Language Skills

7. दिए गए वाक्यों में से संज्ञा शब्द को छाँटकर अलग लिखिए।

संज्ञा- संज्ञा उस विकारी शब्द को कहते हैं जिससे किसी व्यक्ति, वस्तु, स्थान, भाव और जीव के संबंध में बोध होता है। जैसे-विराट कोहली, ताजमहल, बुढ़ापा आदि।

(क) भारत एक बहुभाषायी देश है। ....

(ख) गंगा एक पवित्र नदी है। ....

(ग) मनुष्य एक सामाजिक प्राणी है। ....

(घ) राहुल के पिताजी बहुत गरीब हैं। ....

8. दिए गए वाक्यों में लिंग को पहचान कर रेखांकित कीजिए और लिखिए।

> **लिंग–** संज्ञा के जिस रूप से व्यक्ति या वस्तु से सबंधित नर या मादा जाति की जानकारी मिलती है, उसे लिंग कहते है। जैसे–बैल, गाय, लड़का, लड़की आदि।

(क) मोहन दिल्ली में रहता है। ....

(ख) मोर हमारा राष्ट्रीय पक्षी है। ....

(ग) बिल्ली दूध पी रही है। ....

(घ) भैंस चारा खा रही है। ....

ज़रा रचनात्मक कार्य कीजिए

Creative Skills

9. 'अपने प्रिय पशु' पर कुछ वाक्य लिखिए।

....

....

....

....

....

ज़रा दिमाग लगाइए

Brain Storming Activity

10. नीचे दिए गए चित्रों को देखकर पशुओं को निम्न श्रेणियों में बांटें।

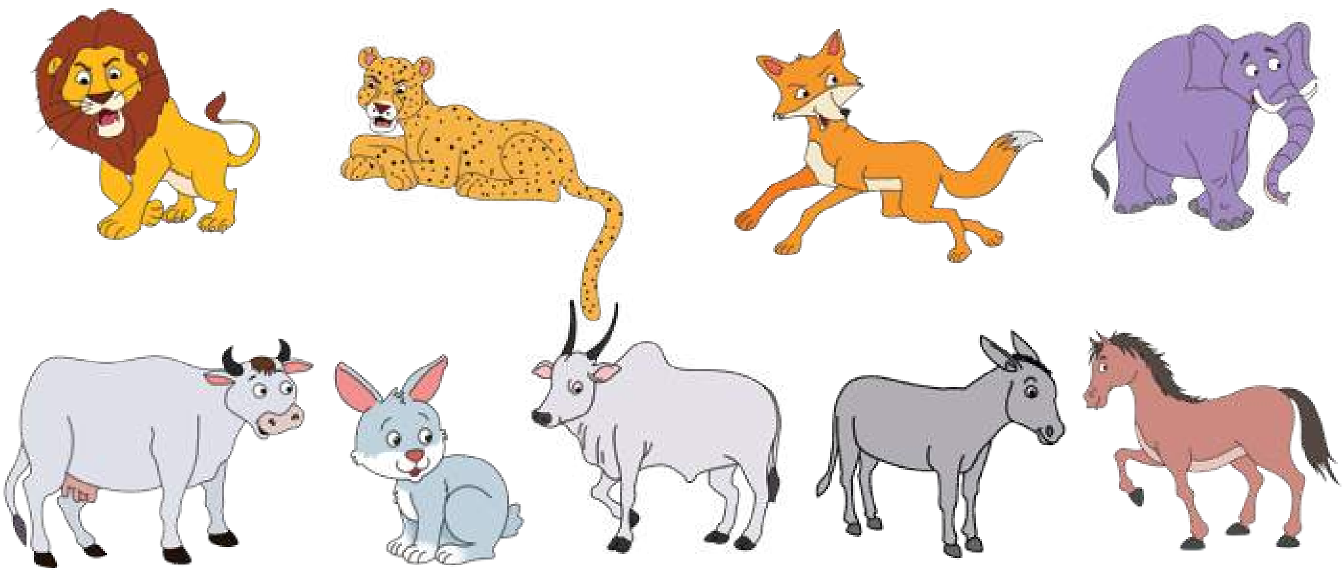

मांसाहारी	शाकाहारी	भार/बोझ ढोने वाले
....	....	....
....	....	....
....	....	....

ज़रा रंग भरिए

Art Integrated Activity

11. नीचे दिए गए चित्रों में रंग भरिए।

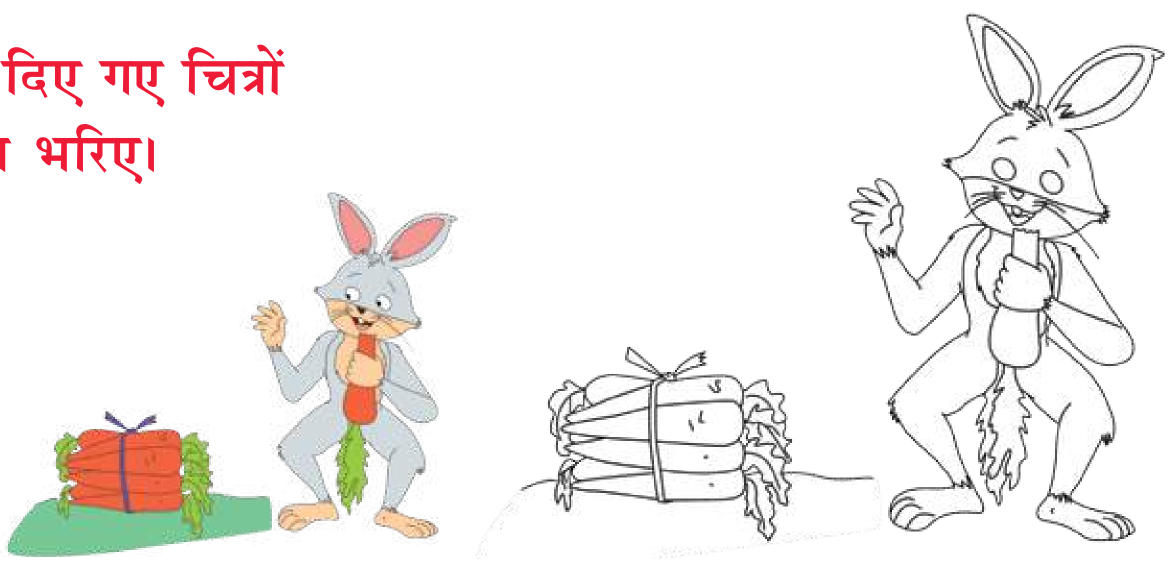

अध्याय 9

मेहनत का फल
(कहानी)

अध्ययन से पूर्व

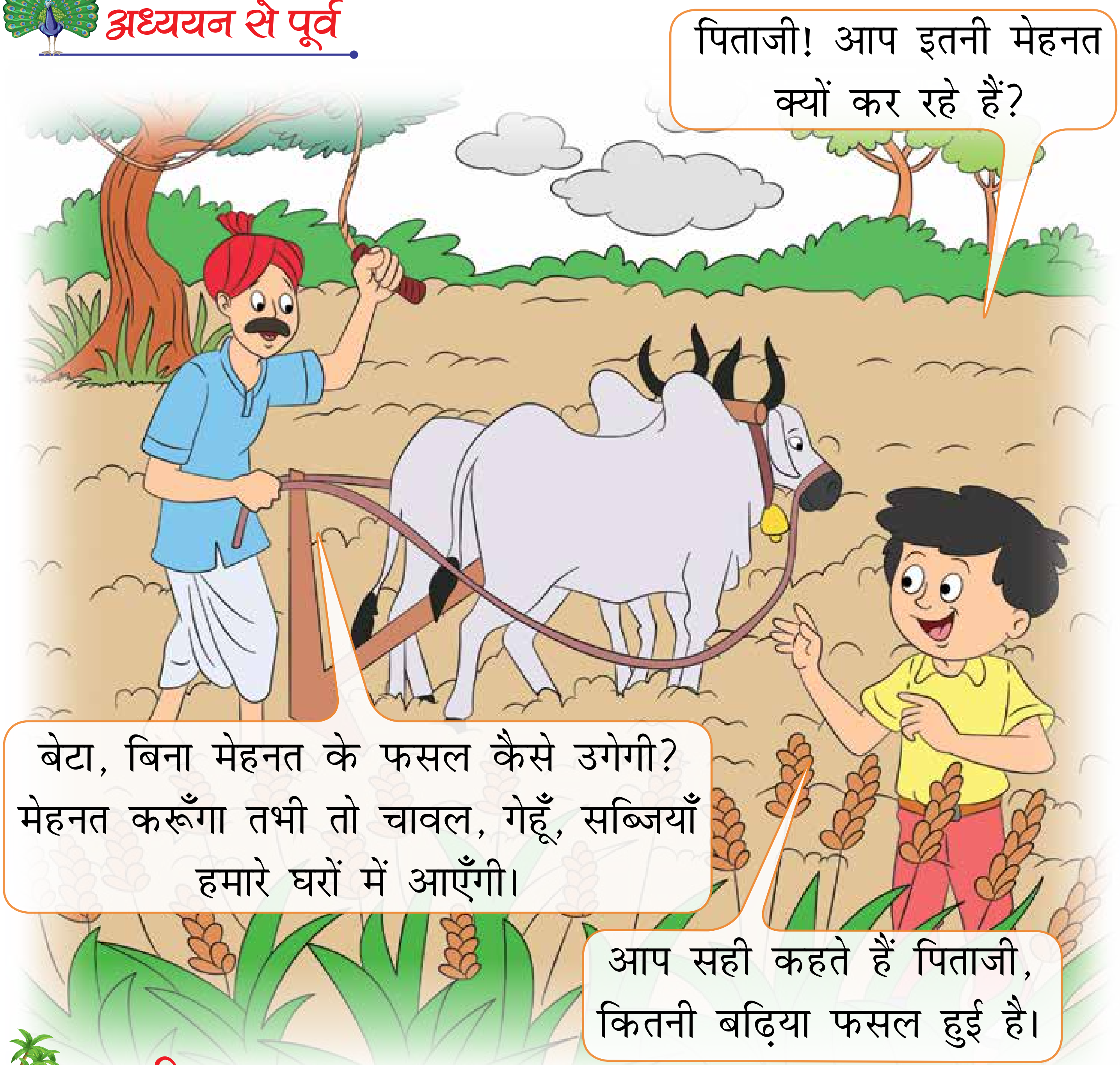

कहानी का मूल तत्व

मेहनत का फल सैदव मीठा होता है अतः हमें आलस त्यागकर अपने काम को पूरी लगन, मेहनत और ईमानदारी से करना चाहिए।

एक गाँव में बरगद के पेड़ पर एक गिलहरी और कौआ रहते थे। दोनों में गहरी मित्रता थी। एक दिन एक खाली खेत में घूमते-घूमते कौआ ने गिलहरी से कहा, ''क्यों न हम दोनों मिलकर इस खाली खेत में खेती करें। जो अनाज पैदा होगा, उसे आधा-आधा बाँट लेंगे।''

कौआ की बात सुनकर गिलहरी बोली, ''हाँ कौआ भाई, तुम सही कहते हो, हमें इस खेत में अनाज पैदा करने की कोशिश करनी चाहिए। हम खूब मेहनत करेंगे।''

अगले दिन गिलहरी ने कौआ से कहा, ''चलो भाई, खेत जोत आएँ।''

कौआ बोला, ''तुम चलो मैं पीछे से आता हूँ।'' लेकिन कौआ नहीं आया।

गिलहरी अकेली ही खेत जोत आई। अगले दिन गिलहरी ने कौआ से खेत में बीज बोने के लिए कहा। कौआ उस दिन भी नहीं गया। आलसी कौआ को तो बस खाली बैठे रहना ही अच्छा लगता था। गिलहरी खेत में बीज बो आई। कुछ ही दिनों में बीज से पौधे निकल आए और थोड़े दिनों बाद वे पौधे बड़े हो गए।

फसल के आसपास घास उग आई थी। गिलहरी ने कौआ से निराई करने के लिए साथ चलने को कहा। कौआ ने फिर वहीं उत्तर दिया। गिलहरी अकेली ही जाकर खेत की निराई कर आई।

फसल पक गई तो गिलहरी को फसल काटने के लिए भी अकेले ही जाना पड़ा। एक दिन आकाश में बादल घिर आए। गिलहरी अपना अनाज

समेटकर घर ले आई। कौआ का हिस्सा खेत में ही पड़ा रह गया।

अगले दिन बड़े जोर की वर्षा शुरु हो गई। कौआ का सारा अनाज पानी में बह गया। वह पेड़ की डाल पर मुँह लटकाए बैठा रहा। वहीं दूसरी ओर मेहनती गिलहरी के पास ढेर सारा अनाज था। वह बहुत सुखी थी।

बच्चो, जो मेहनत करते हैं, वे उसका फल अवश्य पाते हैं, मेहनत का फल बहुत मीठा होता है। कौआ यदि आलस त्यागकर गिलहरी का कहना मानता तो उसे फल अवश्य मिलता।

शब्दार्थ

मित्रता	= दोस्ती	कोशिश	= प्रयत्न
हिस्सा	= भाग	मुँह लटकाए	= निराश होना
समेटकर	= इकट्ठा कर	अनाज पैदा करना	= अनाज उपजाना
निराई	= फसल के बीच उग आए घास को निकालना		

उच्चारण करें

गिलहरी त्यागकर समेटकर आलसी वर्षा

श्रुतलेख

dkvk vo'; Qly egur [kkyh

शिक्षण संकेत

शिक्षक/शिक्षिका कक्षा में बच्चों को प्रस्तुत पाठ को पढ़ाएँ तथा उसके मूलभाव को व्यवहार में लाने की प्रेरणा दें।

अभ्यास कार्य

ज़रा बोलिए

Speaking Skills

1. दिए गए प्रश्नों के उत्तर बताइए।

(क) गिलहरी और कौआ किस पेड़ पर रहते थे?

(ख) क्या गिलहरी और कौआ में मित्रता थी?

(ग) कौआ का स्वभाव कैसा था?

(घ) गिलहरी ने किससे बीज बोने के लिए कहा?

ज़रा लिखिए

Writing Skills

2. नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

(क) कौआ की बात सुनकर गिलहरी ने क्या कहा?

....

(ख) कौआ पेड़ की डाल पर मुँह लटकाए क्यों बैठा था?

....

(ग) खेत जोतने कौन गया?

....

(घ) प्रस्तुत कहानी से आपको क्या सीख मिलती है?

....

3. नीचे दिए प्रश्नों को पढ़कर सही विकल्प पर (✓) का निशान लगाइए।

(क) बरगद के पेड़ पर कौन रहता था?

- [ ] कबूतर
- [ ] गौरैया
- [ ] गिलहरी
- [ ] चिड़िया

(ख) कौआ का सारा अनाज कहाँ बह गया?

- [ ] नदी में
- [ ] बाढ़ में
- [ ] पानी में
- [ ] नाले में

(ग) मेहनत का फल कैसा होता है?

- [ ] कड़वा
- [ ] मज़ेदार
- [ ] मीठा
- [ ] बेकार

4. नीचे दिए गए प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर (✓) ठीक और (✗) गलत का निशान लगाइए।

(क) बरगद के पेड़ पर कौआ और चिड़िया रहते थे। [ ]

(ख) कौआ और कोयल घनिष्ठ मित्र थे। [ ]

(ग) कौआ खेत में अकेले ही बीज बो आया। [ ]

(घ) गिलहरी खेतों में निराई करने अकेले ही गई। [ ]

(ङ) कौआ का सारा फसल पानी में बह गया। [ ]

(च) गिलहरी बहुत सुखी था। [ ]

5. **नीचे दिए गए वाक्यों में से सर्वनाम शब्दों पर ○ लगाइए।**

(क) वह बहुत तेज दौड़ता है।

(ख) रमेश ने कहा कि तुम कल जाना।

(ग) उसका घर यहाँ से बहुत दूर है।

(घ) उसने मुझे मिठाई दी।

6. **नीचे दिए गए शब्दों के तुकांत शब्द लिखिए।**

(क) आस – पास	(ख) सुरेश – ....
(ग) पानी –	(घ) जल – ....
(ङ) खाना –	(च) पेड़ – ....
(छ) ताला –	(ज) रविवार– ....

ज़रा सोचिए

Critical Thinking

7. **यदि आप कहानी में कौआ की जगह होते तो क्या करते? अपनी फसल को बर्बाद होने देते या फिर मेहनत करते? सोचकर विचारकर बताइए।**

ज़रा भाषा पर गौर कीजिए

Language Skills

8. **नीचे दिए गए शब्द समूहों में से अशुद्ध शब्दों पर गोला लगाइए।**

गिलहरी मुँह समेटकर त्यागकर

आनाज निराई अवश्य मेहनत

9. समान अर्थ वाले शब्द लिखिए।

(क) पेड़ - .... (ख) पानी - ....

(ग) बादल - .... (घ) आकाश - ....

(ङ) भाई - .... (च) आवश्यक- ....

10. नीचे दिए गए शब्दों से एक-एक वाक्य बनाइए।

(क) आलसी - ....

(ख) गिलहरी - ....

(ग) कौआ - ....

(घ) मेहनत - ....

ज़रा रचनात्मक कार्य कीजिए

Creative Skills

11. प्रस्तुत कहानी में गिलहरी और कौआ में से आपको कौन बेहतर लगा? कक्षा में चर्चा कीजिए।

12. 'मेहनत' विषय पर चार पंक्तियाँ लिखिए।

....

....

....

....

ज़रा दिमाग लगाइए

Brain Storming Activity

13. नीचे दी गई पहेली को पढ़कर उपयुक्त उत्तर को पहचानिए।

"कोयल जैसा रंग मेरा,
भटकती हूँ मैं यहाँ-वहाँ
बोली मेरी सुनते ही
सब कहते है भाग जा"

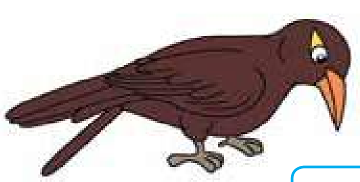 ☐ ☐ ☐

ज़रा रंग भरिए

Art Integrated Activity

14. नीचे दिए गए चित्रों को पूरा कर उसमें रंग भरिए।

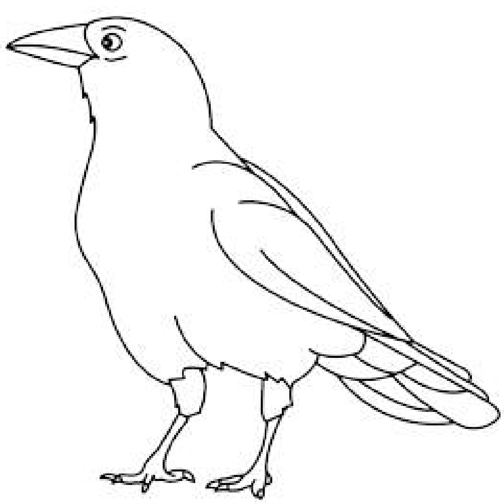

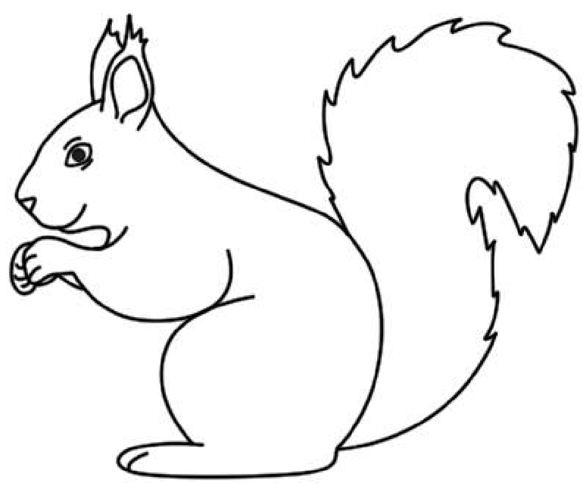

अभ्यास प्रश्न पत्र-1

नाम	कक्षा	अनुक्रमांक ....

1. नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

क. खरगोश किसान के खेत में घुसकर क्या खाने लगा और क्यों?

ख. रंग-बिरंगी धरती कविता में किन-किन चीजों का वर्णन किया गया है?

ग. 'दादाजी की सीख' अध्याय से आपने क्या सीखा?

घ. गुड़िया की शादी में कौन-कौन शामिल हुए?

ङ. हमारे राष्ट्रीय ध्वज में बना चक्र कहाँ से लिया गया है?

2. कविता की पंक्तियों को पूरा कीजिए।

क. ....

बड़ा पुराना नाता।

....

सारा जंगल भाता।

....

ख. भोर हो गई आलस

....

हो तैयार चलो तुम पढ़ने

....

3. नीचे दिए गए शब्दों में 'उ' की मात्रा लगाइए।

क. जामन .... ख. राहल ....

ग. गमनाथ .... घ. सल्तान ....

ङ. मझको .... च. पहँच ....

4. नीचे दिए गए शब्दों से एक-एक वाक्य बनाइए।

क. मेहनत ....

ख. आलसी ....

ग. विद्‌यालय ....

घ. सीख ....

ङ. कोयल ....

5. समान अर्थ वाले शब्द लिखिए।

क. सवेरे .... ख. त्योहार ....

ग. धरती .... घ. स्कूल ....

6. नीचे दिए शब्द समूहों में से शुद्‌ध शब्दों पर ○ लगाइए।

बेइमान	नवदिन	कुसुम	मुस्काएँ
गुडडा	असलीयत	रसम	वरमाला
शुभकामनाएँ	आलसय	कीरण	शारनाथ

अभ्यास प्रश्न पत्र-2

नाम	कक्षा	अनुक्रमांक ....

1. नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

क. जंगल का धरती से पुराने नाते के बारे में किसे बताया जा रहा है?

ख. 'बाल' और 'बाला' से क्या तात्पर्य है?

ग. हर्ष के गुड्डे ने शादी में क्या पहना था?

घ. होली के त्योहार के दिन आप क्या-क्या करते हैं?

ङ. सुबह-सुबह आपको कौन जगाता है? भोर हो गई आलस छोड़ो कविता के माध्यम से बताइए।

2. रिक्त स्थानों को सही शब्दों के साथ भरिए।

क. ईश्वर हमें दो नन्हा .... (ज्ञान/दीप)

ख. उसने .... अचकन पहनी है । (काली/सुनहरी)

ग. इस त्योहार में सब एक-दूसरे पर .... डालते हैं। (कीचड़/रंग)

घ. झटपट पहुँचा .... मैं। (विद्यालय/स्टेशन)

ङ. जंगल को मत ....। (काटो/बाँटो)

3. नीचे दिए गए शब्दों में से शुद्ध शब्दों पर गोला लगाइए।

क.	सुरज	सूरज	सरूज
ख.	आलास	आलस	अलास
ग.	टिड्डा	टिडड्ा	टीड्डा
घ.	प्रहल्ाद	प्रहलाद	प्रह्लाद्

4. नीचे दिए गए तुकांत शब्दों का सही मिलान कीजिए।

क. आस	(i) मीत
ख. हीन	(ii) रोना
ग. मन	(iii) मीत
घ. गीत	(iv) पास
ङ. सोना	(v) मीन

5. 'ऋ' की मात्रा लगाकर शब्दों को पूरा कीजिए।

क. कषक .... ख. नप ....

ग. मग .... घ. तण ....

6. नीचे दिए गए शब्दों से एक-एक वाक्य बनाइए।

क. आलस्य – ....

ख. ध्वज – ....

ग. शिक्षा – ....

घ. शिकायत – ....

ङ. धरती – ....

7. नीचे दिए गए वाक्यों में संज्ञा शब्द पर ○ लगाइए।

क. मोहन पढ़ रहा है।

ख. मैं हरिद्वार में रहता हूँ।

ग. इंदौर एक स्वच्छ शहर है।

घ. सुरेश रैना एक बेहतर क्रिकेटर है।